RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7
दुबई में दिवाली मनाएंगी मन्नारा

वर्ष : 26 अंक : 307 website:www.chetnamanch.com नोएडा, सोमवार, 28 अक्टूबर, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

पप्पू यादव को लॉरेंस गैंग ने दी धमकी

सांसद ने गैंगस्टर को दी थी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता सलमान खान के बाद अब कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को धमकी दी है। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को अलग अलग दो-दो गैंगस्टरों ने धमकी दी है। सांसद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गों ने धमाकाया है। कहा कि टीआरपी कमाने के चक्कर में न पड़ो, वरना रेस्ट इन पीस कर देंगे। बता दें कि इसी गैंग ने मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की भी जिम्मेदारी ली थी। बाबा सिद्दकी की हत्या के बाद पप्पू यादव ने लॉरेंस बिश्नोई को चुनौती दी थी। कहा था कि अगर कानून अनुमति दे तो मैं 24 घंटे में इस दो टके के अपराधी के पूरे नेटवर्क को खत्म कर दूंगा। इस घटना के करीब

13 दिन बाद अब पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी मिली है।

सांसद पप्पू यादव ने पूर्णिया रेंज के डीआईजी, एसपी के अलावा डीजीपी को भी शिकायत की है। पप्पू यादव को फोन करने वाले लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गे ने कहा कि सांसद के सभी ठिकानों की जानकारी उसके भाई के पास है। यही नहीं जेल में रहने के दौरान जैमर बंद करके उसने पप्पू यादव को वीडियो कॉल भी किया था, लेकिन पप्पू यादव ने फोन नहीं उठाया। इसके बाद से कुछ ऑडियो वायरल हो रहे हैं। इसमें एक शख्स पहले पप्पू यादव (शेष पृष्ठ-3 पर)

पुलिस हिरासत में व्यापारी की मौत

पीड़ित परिवार को सीएम योगी ने दी 10 लाख की आर्थिक मदद

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में दो दिन पहले पुलिस हिरासत में व्यापारी की मौत का मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। पीड़ित परिवार और विपक्षी दलों ने न्याय की गुहार लगाई है। वहीं विपक्षी दलों ने सरकार पर हमला भी बोला है। सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ पीड़ित परिवार से मिले। उन्होंने परिवार को तत्काल 10 लाख की आर्थिक मदद दी। बच्चों को फ्री शिक्षा देने की बात कही। सरकारी आवास के साथ अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने का आश्वासन दिया।

इस दौरान विधायक योगेश शुक्ला एवं सभासद शैलेंद्र वर्मा परिवार के साथ पहुंचे थे। बताते चलें कि चचेरे भाई से पैसों के विवाद में पुलिस ने मोहित पांडेय को घर से उठाया था। लॉकअप में उसकी तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद उसकी मौत हो गई थी।

लॉकअप में मोहित के साथ बंद उसके

भाई शोभाराम ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि भाई को लॉकअप में टॉर्चर किया गया है। उसे पीटा गया है। तबीयत खराब होने के बाद भी उसे अस्पताल नहीं पहुंचाया गया। मामले में मां की तहरीर पर चिनहट थाना इंस्पेक्टर और चचेरे भाई आदेश सहित कई लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।

अखिलेश का सरकार पर हमला

समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ में व्यापारी की पुलिस हिरासत में मौत के बाद प्रदेश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने अपने ट्वीटर (X) पर लिखा कि उप्र की राजधानी में पिछले 16 दिनों में पुलिस 'हिरासत में मौत (हत्या पढ़ा जाए)' का दूसरा समाचार मिला है। नाम बदलने में माहिर सरकार को अब 'पुलिस हिरासत' का नाम बदलकर 'अत्याचार गृह' रख देना चाहिए। पीड़ित परिवार की हर माँग पूरी की जाए, हम उनके साथ हैं।

गार्डन गैलेरिया की बार में युवकों का हंगामा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के गार्डन गैलेरिया के इंपल्स बार में पार्टी करने आए कुछ युवकों ने नशे में जमकर हंगामा मचाया। बार कर्मियों ने जब नशे में धुत लोगों को रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने उनके साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी।

गार्डन गैलेरिया स्थित इंपल्स बार के जीएम संजीव कुमार मग ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 26 अक्टूबर को उनके बार में प्रशांत कुमार के साथ उनके 30 कर्मचारी पार्टी करने आए थे। पार्टी के दौरान समीर, अमन अंसारी व शोएब अंसारी नशे में आपे से बाहर हो गए और अपने साथियों के साथ गाली

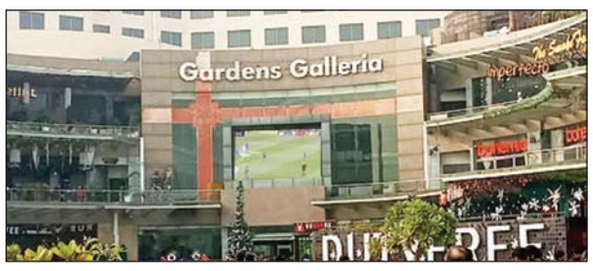

गलौज कर मारपीट करने लगे। हंगामा होता देखकर बार के स्टाफ नवनीत बिष्ट, विराट नेगी व अन्य लोगों ने इन्हें रोकने का प्रयास किया। इसके बावजूद भी तीनों शराब के नशे में बार में हंगामा करते रहे। किसी तरह इन्हें बार से बाहर निकाला गया। इसके बाद इन्होंने बार के बाहर भी जमकर हंगामा किया।

थाना प्रभारी ने बताया कि मैनेजर की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बता दें कि गार्डन गैलेरिया में स्थित बार में आए दिन मारपीट की घटनाएं प्रकाश में आती रहती हैं। पूर्व में भी कई बार बार में मारपीट व झगड़े की घटना हुई है।

बस ने राहगीर को कुचला अज्ञात वाहन की टक्कर में मरा

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। मृतक के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मूल रूप से जनपद फिरोजाबाद निवासी दिलीप सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका भाई कुलदीप ग्रेटर नोएडा में रहकर पीओपी का काम करता था। 2 अक्टूबर की शाम को उसका भाई अपने कमरे पर आने के लिए पैदल आ रहा था। कुलदीप जैसे ही खैरपुर गोल चक्कर पर पहुंचा तो किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कुलदीप

गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे पुलिस ने कुलदीप को गंभीर स्थिति में सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी मिलने पर परिजन नोएडा पहुंचे और कुलदीप को आगरा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान 8 अक्टूबर को कुलदीप की मौत हो गई। थाना ईकोटेक तीन प्रभारी ने (शेष पृष्ठ-3 पर)

बाइक पर सवार बदमाश से मुठभेड़

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। लूटी गई बाइक पर आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहे एक बदमाश की थाना नॉलेज पार्क पुलिस के साथ मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया इसके पास से तमंचा, कारतूस व लूटी गई बाइक बरामद हुई है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान रेलवे अंडर पास के पास पुलिस ने बाइक पर आ रहे एक युवक को रोकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर बाइक सवार भाग निकला। पीछा करने पर बाइक सवार ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्यवाई में गोली लगने से

बदमाश घायल हो गया। जिसके बाद उसे दबोच लिया गया।

पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम जीतू पुत्र अनिल निवासी बुलंदशहर बताया। इसके पास से एक तमंचा व कारतूस बरामद हुआ। आरोपी के पास से बरामद बाइक भी लूटी हुई है। जीतू ने बताया कि वह आपराधिक वारदात को अंजाम (शेष पृष्ठ-3 पर)

पड़ोसन को पीट-पीट कर किया घायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नाली के पानी के विवाद को लेकर दो महिलाओं ने पड़ोस में रहने वाली महिला के साथ गाली गलौज की। विरोध करने पर दोनों महिलाओं ने पड़ोसन की पिटाई कर उसे घायल कर दिया। पीड़िता ने थाना ईकोटेक-3 में दोनों महिलाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। कुलेसरा में रहने वाली मंजू देवी ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसके पड़ोस में रहने वाली प्रीति पत्नी बिट्टू अंसारी व लक्ष्मी पत्नी पप्पू अक्सर नाली के पानी व रास्ते को लेकर उसके साथ वाद विवाद करती हैं। बीते दिनों भी उन्होंने नाली के पानी के विवाद को लेकर उसके साथ गाली-गलौज की। उसने जब इस बात का विरोध किया तो दोनों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान उसके बच्चे के साथ भी मारपीट कर उसे घायल कर दिया। पीड़िता के मुताबिक उसकी दोनों पड़ोसन आए दिन उसे उसके साथ गाली गलौज कर झगड़ा करती हैं।

सेक्टर-9 में लगी भीषण आग

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-9 में एक बिजली ट्रांसफार्मर में अचानक विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। घटना से आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर सैकड़ों लोग एकत्रित हो गए। फेस-1 थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इस इलाके में आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें तत्काल मौके पर पहुंच गईं तथा आग पर काबू पाया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पहले ट्रांसफार्मर से तेज धमाके की आवाज आई, जिसके बाद देखते ही देखते आग की लपटें आसमान में उठने लगीं। काले धुएं का गुबार पूरे इलाके में छा गया, जिससे आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। वहीं आग के कारण सेक्टर-9 के इलाके में बिजली गुल हो गई। दमकल विभाग के अधिकारी प्रदीप चौबे ने बताया कि सूचना

मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट आग का कारण माना जा रहा है। इस घटना में किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई।

बाइक सवार बदमाशों ने लूटा मोबाइल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा दो क्षेत्र के सिग्मा 3 सेक्टर में बाइक सवार बदमाशों ने एक व्यक्ति से मोबाइल फोन लूट लिया और फरार हो गए। पीड़ित ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। ग्राम नट मढैया में किराए पर रहने वाले विष्णु परमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 13 अक्टूबर की रात्रि को सेक्टर सिग्मा 3 की सर्विस रोड पर पैदल चलते हुए अपने कमरे की तरफ जा रहा था। जैसे ही वह सेक्टर के मुख्य प्रवेश द्वार से थोड़ा आगे निकला तो पीछे से स्प्लेंडर बाइक पर आए दो बदमाशों ने उसे रोक लिया। बदमाशों ने उससे मोबाइल फोन लूट लिया। उसने जब विरोध करने का प्रयास किया तो दोनों बदमाश बाइक पर सवार होकर भाग गए। विष्णु परमार के मुताबिक स्प्लेंडर बाइक पर नंबर प्लेट नहीं लगी हुई थी। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और बदमाशों की तलाश की जा रही है।

पत्नी व बच्चों को फंसाने के लिए खुद को मारी गोली

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना रबूपुरा क्षेत्र के ग्राम रामपुर बांगर में एक व्यक्ति को गोली मारने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस की जांच में पता चला है कि उक्त व्यक्ति ने खुद को गोली मारकर पत्नी व बच्चों को फंसाने की साजिश रची थी। घायल व्यक्ति का अपनी पत्नी व बच्चों से विवाद चल रहा है।

थाना प्रभारी ने बताया कि ग्राम रामपुर बांगर निवासी जोरावर सिंह ने रविवार को रिपोर्ट दर्ज कराई की गांव के मंदिर पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके बेटे नेमपाल को जान से मारने की नीयत से गोली मार दी। नेमपाल को गंभीर हालत में यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया

गया उसके पेट में गोली लगी थी। थाना प्रभारी ने बताया कि जब इस मामले की गहनता से जांच की गई तो मामला कुछ और ही निकला। नेमपाल के इंजरी वाली जगह पर ब्लैकेनिंग पाई गई इसके अलावा उसके हाथों में गन पाउडर भी लगा हुआ था। पुलिस ने जब अपने स्तर पर जांच पड़ताल की तो पता चला कि नेमपाल का अपनी पत्नी व बच्चों से विवाद चल रहा है जिस कारण उसकी पत्नी (शेष पृष्ठ-3 पर)

बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में

चौड़ा रघुनाथपुर के सुमित शर्मा ने जीता कांस्य पदक

नोएडा (चेतना मंच)। जब कुछ करने का जुनून होता है तो कामयाबी मंजिल चूमती ही है। ऐसा ही कुछ कर दिखाया नोएडा के लाल सुमित शर्मा ने। सुमित शर्मा ने बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में नेचरल बॉडी बिल्डिंग कैटेगरी में अन्य प्रतिभागियों को पछाड़ते हुए कांस्य पदक हासिल किया है।

सुमित शर्मा पुत्र भगवत शर्मा निवासी ग्राम रघुनाथपुर सेक्टर-22 ने बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीता। यह प्रतियोगिता दिल्ली के त्रिलोकपुरी स्थित बाबा साहेब अंबेडकर स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में संपन्न हुई थी। इस प्रतियोगिता में सैकड़ों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था।

सुमित पिछले कई वर्षों से बॉडी बिल्डिंग की तैयारी कर रहा है। इस प्रतियोगिता में जज वीर बोहित थे। इस प्रतियोगिता में सुमित शर्मा को ब्रॉन्ज मेडल मिला है और वह तीसरे स्थान पर रहा है। सुमित को नेचुरल बॉडी बिल्डिंग कैटेगरी में तीसरा स्थान मिला है।

राजस्थान कल्याण परिषद का

नृत्य, गीत व रंगोली के साथ सम्पन्न दीपावली स्नेह मिलन

नोएडा (चेतना मंच)। राजस्थान कल्याण परिषद का दीपावली स्नेह मिलन-2024 का कार्यक्रम सामुदायिक केंद्र सेक्टर 19 नोएडा में बहुत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम दीप-सज्जायुक्त रंगोली प्रतियोगिता के साथ प्रारंभ हुआ तथा सभी कलाकारों ने बहुत सुंदर सुंदर रंगोली बनाई। रंगोली में प्रथम स्थान अवनी माहेश्वरी और द्वितीय महिमा जायसवाल को मिला।

दीपावली कार्यक्रम के संयोजक दिनेश माहेश्वरी और मनमोहन रामावत रहे। दीप प्रज्वलन, गणेश वन्दना के बाद राजस्थानी गीतों का कार्यक्रम हुआ। जिसमें कई कलाकारों ने बहुत सुंदर राजस्थानी गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया और सभी का (शेष पृष्ठ-3 पर)

सत्र 2025-26 के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू
स्कूल कोड 09100110910
सरस्वती
ग्लोबल स्कूल
सेक्टर 22 नोएडा

फ़ोन .08750611103

आप्रवासियों का स्वागत

दशकों से कनाडा आप्रवासियों का दिल खोलकर स्वागत करता रहा है। कनाडा का आप्रवासन मंत्र रहा है कि जितने अधिक प्रवासी लोग आएंगे, उतना उसके लिए बेहतर रहेगा। कभी नवागंतुकों का खुली बांहों से स्वागत करने वाले कनाडा की सोच रही है कि दूसरे देशों से आने वाले प्रवासी खुद को स्थापित करने के लिये अधिक मेहनत करते हैं और नये देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यहां तक कि कनाडा ने उन कट्टरपंथियों और चरमपंथियों का भी स्वागत किया, जो अपने मूल देशों में कानून की रेखाओं का अतिक्रमण करते रहे हैं। कनाडा सरकार खुद अपनी पीठ थपथपाती रही है कि वह अपने समकक्ष पश्चिमी देशों की तुलना में आप्रवासियों के लिये बेहतर स्थिति बनाने में अव्वल रही है। लेकिन समय के साथ-साथ स्थितियां विसंगतियों की शिकार हुई हैं। आप्रवासियों के लिये सदैव द्वार खुले रखने की कनाडा की नीतियों के चलते, वहां के मूल नागरिक मानते हैं कि इस उदार नीति का आवास, स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक सेवाओं पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। जिसके चलते ट्रूडो सरकार पर न केवल विपक्ष बल्कि अपनी पार्टी का भी दबाव बढ़ रहा है। आज उनकी पार्टी में ट्रूडो का इस्तीफा मांगने वालों की संख्या भी कम नहीं है। इस दबाव का ही प्रभाव है कि ट्रूडो सरकार स्वीकार कर रही है कि उनकी सरकार श्रम जरूरतों को संबोधित करने और जनसंख्या वृद्धि को बनाए रखने के बीच सही संतुलन बनाने में विफल ही रही है। सरकार मानने लगी है कि आप्रवासन टिकाऊ होना चाहिए। दरअसल, कनाडा में लिबरल सरकार की लोकप्रियता में लगातार कमी आई है। जिसकी चिंता में कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो आम चुनावों से एक साल पहले ही हाथ-पैर मार रहे हैं। ट्रूडो की सोच है कि कुछ सख्त कदम उठाकर वे अपने मतदाताओं को आकर्षित कर सकते हैं। यहां तक कि उन्होंने अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिये अपने पुराने मित्र व बड़े लोकतांत्रिक देश भारत से संबंध खराब करने से भी गुरेज नहीं किया। दरअसल, जस्टिन ट्रूडो के मुगालते कम नहीं हुए हैं। अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिये उन्होंने भारत का मुखर विरोध करने वाले जिन सांसदों का समर्थन लिया, उनके एजेंडे को पूरा करने में ट्रूडो सारी सीमाएं लांघ रहे हैं। राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के चलते ट्रूडो मानकर चल रहे हैं कि वे अपने चौथे कार्यकाल के लिये चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। लेकिन पार्टी में चल रहे विरोध के चलते आशंका है कि उनका हश्र भी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन जैसा न हो, जिनको डेमोक्रेट्स के भारी दबाव के बाद राष्ट्रपति पद की फिर से दावेदारी छोड़नी पड़ी। लेकिन ट्रूडो की राजनीतिक महत्वाकांक्षा इतनी प्रबल रही कि वे अपरिपक्वता के चलते अपने पुराने सहयोगी नई दिल्ली के साथ संबंध बिगाड़ने से भी नहीं चूके। इसी कड़ी में वे कोशिश कर रहे हैं कि भारत से आने वाले प्रवासियों की संख्या को कम कर सकें। इसमें दो राय नहीं है कि कनाडा में स्थायी निवास की अनुमति की प्रक्रिया में जो बदलाव की मंशा ट्रूडो सरकार जता रही है, उसका सबसे ज्यादा असर भारतीय प्रवासियों पर पड़ेगा। हालांकि, उम्मीद के अनुरूप कुछ देशों से ही उन्हें नई नीति को लेकर समर्थन मिला है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के दावेदार डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अब जस्टिन ट्रूडो कनाडा की सीमाओं को बंद करना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रंप अमेरिका में सीमाओं को लेकर सख्त कदम उठाने की बात करते रहे हैं। यहां तक कि अमेरिका की मैक्सिको सीमा पर दीवार बनाना उनका मुख्य एजेंडा रहा है। लेकिन कनाडा के मामले में उसकी सबसे बड़ी मजबूरी यह है कि उसकी अर्थव्यवस्था आप्रवासियों पर पूरी तरह निर्भर है। इन आप्रवासियों ने कनाडा की आर्थिकी को मजबूत बनाने में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। यह निर्भरता तब और बढ़ जाती है जब कनाडा की आबादी चिंताजनक रूप से बूढ़ी हो रही है। ट्रूडो सरकार की नई नीतियों के चलते उसे श्रमिकों की कमी से निपटना बड़ी चुनौती होगी। दरअसल, ट्रूडो सरकार जिसने साल 1914 की कोमागाटा मारू की घटना के लिये साल 2016 में माफी मांगकर प्रवासी भारतीयों को लुभाया था, अब उसने उस नीति से यू टर्न ले लिया है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि परन्तु मैंने वर के जो-जो दोष बतलाए हैं, मेरे अनुमान से वे सभी शिवजी में हैं। यदि शिवजी के साथ विवाह हो जाए तो दोषों को भी सब लोग गुणों के समान ही कहेंगे॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जौं अहि सेज सयन हरि करहीं। बुध कछु तिन्ह कर दोषु न धरहीं॥
भानु कृसानु सर्ब रस खाहीं। तिन्ह कहँ मंद कहत कोउ नाहीं॥

जैसे विष्णु भगवान शेषनाग की शय्या पर सोते हैं, तो भी पण्डित लोग उनको कोई दोष नहीं लगाते। सूर्य और अग्निदेव अच्छे-बुरे सभी रसों का भक्षण करते हैं, परन्तु उनको कोई बुरा नहीं कहता॥

सुभ अरु असुभ सलिल सब बहई। सुरसरि कोउ अपुनीत न कहई॥
समरथ कहुँ नहिं दोषु गोसाईं। रबि पावक सुरसरि की नाईं॥

गंगाजी में शुभ और अशुभ सभी जल बहता है, पर कोई उन्हें अपवित्र नहीं कहता। सूर्य, अग्नि और गंगाजी की भाँति समर्थ को कुछ दोष नहीं लगता॥

दो0-जौं अस हिसिषा करहिं नर जड़ बिबेक अभिमान।
परहिं कलप भरि नरक महुँ जीव कि ईस समान॥

यदि मूर्ख मनुष्य ज्ञान के अभिमान से इस प्रकार होड़ करते हैं, तो वे कल्पभर के लिए नरक में पड़ते हैं। भला कहीं जीव भी ईश्वर के समान (सर्वथा स्वतंत्र) हो सकता है?॥

(क्रमशः..)

धर्मनिरपेक्षता पर सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के निहितार्थ

सुप्रीम कोर्ट ने अपने दो हालिया फैसलों में धर्मनिरपेक्षता की विस्तृत व्याख्या करते हुए इसे और मजबूती दी है। असल में धर्मनिरपेक्षता को लेकर संविधान-निर्माताओं का मुख्य उद्देश्य धार्मिक सहिष्णुता, समानता एवं बंधुत्व भाव से था, लेकिन बाद में यह शब्द भ्रामक हो गया और इसने धर्म के अस्तित्व को ही नकार दिया। राजनेताओं ने अपने-अपने हितों को साधने के लिये इस धर्मनिरपेक्षता शब्द के वास्तविक अर्थ एवं भावना को ही धुंधला दिया। सर्वोच्च अदालत ने बीते सोमवार को संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं के बाबत धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की आधारभूत संरचना का हिस्सा बताया और स्पष्ट संकेत दिया है कि धर्मनिरपेक्षता को पश्चिमी देशों से आयातित शब्द के नजरिये से देखने के बजाय भारतीय संविधान की आत्मा के रूप में देखना चाहिए। धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की मूल विशेषता बताते हुए कोर्ट ने कहा कि संविधान में वर्णित समानता व बंधुत्व शब्द इसी भावना के आलोक में वर्णित हैं। साथ ही धर्मनिरपेक्षता को भारतीय लोकतंत्र की अपरिहार्य विशेषता बताते हुए कहा कि यह समाज में व्यापक दृष्टि वाली उदार सोच को विकसित करने में सहायक है। जिसके बिना स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है। जो राष्ट्रीय एकता का भी आवश्यक अंग है।

ध्यातव्य है कि 42वें संविधान संशोधन के बाद भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'पंथनिरपेक्ष' शब्द जोड़ा गया, लेकिन 'पन्थनिरपेक्ष' शब्द का प्रयोग भारतीय संविधान के किसी अन्य भाग में नहीं किया गया है। वैसे संविधान में कई ऐसे अनुच्छेद मौजूद हैं जिनके आधार पर भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य कहा जाता है क्योंकि भारत का संविधान देश के नागरिकों को यह विश्वास दिलाता है कि उनके साथ धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जायेगा। संविधान में भारतीय राज्य का कोई धर्म घोषित नहीं किया गया है और न ही किसी खास धर्म का समर्थन किया गया है। इसका कारण भारत में अनेकों धर्म और सम्प्रदाय प्रचलित हैं। अत: संविधान निर्माताओं ने इसको धर्मनिरपेक्ष देश के रूप में स्वीकार किया। भारतीय समाज का बहुधर्मी व विभिन्न संस्कृतियों का गुलदस्ता होना भी इसकी अपरिहार्यता को दर्शाता है। निश्चित रूप से अदालत ने इस मुद्दे पर अपनी राजनीतिक सुविधा के लिये तल्खी दिखाने वाले नेताओं को भी आईना दिखाया है। पूर्व राष्ट्रपति डा. एस. राधाकृष्णन् ने धर्म निरपेक्षता शब्द के व्यापक हार्द को स्पष्ट करते हुए कहा था- 'धर्मनिरपेक्ष होने का अर्थ अधर्मी होना अथवा संकुचित धार्मिकता पर चलना नहीं होता, वरन इसका अर्थ पूर्णत: आध्यात्मिक होना होता है। निरपेक्ष का अर्थ है कि राष्ट्र की ओर से किसी धर्म विशेष का प्रचार-प्रसार नहीं किया जाएगा। सब धर्मों के प्रति समानता का व्यवहार किया जाएगा।' भारत के लोकतंत्र एवं संविधान की यही विशेषता है कि इसमें किसी एक धर्म को मान्यता न देकर सभी धर्मों को समान नजर से देखा जाता है।

आजकल धर्मनिरपेक्षता को लेकर चलने वाली बहसें अक्सर जिस तरह का तीखा रूप ले लेती हैं, उसके मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट के अलग-अलग इन दो फैसलों में इसकी अहमियत रेखांकित हुई है। एक मामले में सर्वोच्च अदालत ने धर्मनिरपेक्षता को संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा करार दिया तो दूसरे मामले में इसकी संकीर्ण व्याख्या से उपजी गड़बड़ियां दुरुस्त कीं। दूसरा मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को रद्द किए जाने से जुड़ा था, जिसे मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने गलत करार दिया। हाईकोर्ट ने इस एक्ट को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ माना था। धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत की इस संकीर्ण व्याख्या के चलते प्रदेश के 13 हजार से ज्यादा मदरसों में पढ़ रहे 12 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे थे। मगर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जरूरत मदरसों को बैन करने की नहीं बल्कि उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने की है। लेकिन यहां एक प्रश्न यह भी है कि क्या मदरसे मुख्यधारा में आने को तैयार है? क्या मदरसे एक धर्म-विशेष से जुड़ा मामला नहीं है? अदालत का यह मानना कि मदरसों पर रोक लगाने के बजाय उनके पाठ्यक्रम को वक्त की जरूरत और राष्ट्रीय सोच के अनुरूप ढाला जाना चाहिये, उचित एवं संविधान की मूल भावना के अनुरूप है। जिससे छात्रों की व्यापक दृष्टि विकसित हो सके। लेकिन क्या ऐसा संभव है? क्या मदरसे अपने पाठ्यक्रम को संकीर्ण दायरों से बाहर निकाल कर व्यापक परिवेश में नया रूप दे पायेंगे? ऐसा होता है तो अदालत की सोच से भारत की एकता एवं अखण्डता को नयी ऊर्जा मिलेगी। फिर तो अदालत का दो टूक कहना कि यदि किसी भी प्रकार से धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा कमजोर पड़ती है तो अंतत: इसका नुकसान समाज व देश को ही उठाना पड़ेगा, सही है। भारतीय समाज में सदियों से फल-फूल रही गंगा-जमुनी संस्कृति के पोषण देने के लिये सभी धर्मों एवं सम्प्रदायों को समानता से, बंधुत्व भावना से एवं उदारता से ही देखा जाना चाहिए।

आज धर्म-निरपेक्षता शब्द को लेकर राजनेता एवं राजनीति दो भागों में बंटी हुई है। समाज भी दो भागों मे बंटा है। आजादी के समय एवं संविधान को निर्मित करते हुए अंग्रेजी के सेक्युलर शब्द का अर्थ धर्म करना भ्रामक हो गया।

आज धर्म-निरपेक्षता शब्द को लेकर राजनेता एवं राजनीति दो भागों में बंटी हुई है। समाज भी दो भागों मे बंटा है। आजादी के समय एवं संविधान को निर्मित करते हुए अंग्रेजी के सेक्युलर शब्द का अर्थ धर्म करना भ्रामक हो गया। तब के इसी धर्म-निरपेक्ष शब्द के कारण आज विद्यालयों में धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाती, जिसका परिणाम यही है कि आज विद्यार्थियों का सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण नहीं हो रहा है। मैंने अणुव्रत आन्दोलन के प्रवर्तक आचार्य तुलसी के साथ विभिन्न राजनेताओं, धर्मगुरुओं, साहित्यकारों, पत्रकारों की इस शब्द को लेकर चर्चाओं में सहभागिता की। व्यापक सोच वाले आचार्य तुलसी का विश्वास रहा कि हिन्दुस्तान सम्प्रदाय निरपेक्ष होकर अपनी एकता को बनाए रख सकता है किन्तु धर्महीन होकर एकता को सुरक्षित नहीं रख सकता। लोकतंत्रीय राष्ट्र पर किसी सम्प्रदाय अथवा पंथ का आधिपत्य हो तो वह अपने लोकतंत्रीय स्वरूप को सुरक्षित नहीं रख सकता। इसलिए लोकतंत्रीय राष्ट्र का सम्प्रदाय अथवा पंथ-निरपेक्ष होना अनिवार्य है। साम्प्रदायिक कट्टरता में सहिष्णुता नहीं होती है अत: राजनीति किसी सम्प्रदाय विशेष की अवधारणा से संचालित नहीं होनी चाहिए। इसलिये संविधान में धर्मनिरपेक्ष के स्थान पर सम्प्रदाय-निरपेक्ष, मजहब-निरपेक्ष अथवा पंथ-निरपेक्ष शब्द का प्रयोग होना चाहिए। सम्प्रदाय निरपेक्ष होने का तात्पर्य धर्मनिरपेक्ष, धर्महीन या धर्मविरोधी होना नहीं हैं।'

इसी कारण धर्मनिरपेक्ष शब्द के कारण राजनैतिक दलों के अलग-अलग खेमे बन गए। इससे धर्म विशेष को लेकर पार्टी के द्वारा वोटों की राजनीति चलने लगी। इसीलिये आचार्य श्री तुलसी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी और पी. वी. नरसिम्हाराव से इस संदर्भ में विस्तृत चर्चा करते हुए कहा- ''जब तक सेक्युलर शब्द का सही अर्थ नहीं होगा, आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों की समस्या नहीं सुलझ सकती।'' राजीव गांधी ने इस संदर्भ में नोट्स मांगे। उन्हें विस्तार से सारी बातें उपलब्ध कराई गईं। कुछ समय बाद संविधान में सेक्युलर शब्द का अर्थ धर्मनिरपेक्ष बदलकर संप्रदायनिरपेक्ष कर दिया गया।' लेकिन संविधान में धर्मनिरपेक्षता शब्द के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की गयी। इसीलिये संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया कि धर्मनिरपेक्षता संविधान के बुनियादी ढांचे का हिस्सा है। सर्वोच्च अदालत के फैसले से यह भी साफ हुआ कि संशोधन के द्वारा प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष शब्द जोड़े जाने का मतलब यह नहीं है कि इससे पहले धर्मनिरपेक्षता संविधान का अहम हिस्सा नहीं थी। चाहे समानता के अधिकार की बात हो या संविधान में आए बंधुत्व शब्द की या फिर इसके पार्ट 3 में दिए गए अधिकारों की, ये सब इस बात का साफ संकेत हैं कि धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की मूल विशेषता है। अदालत ने यह भी कहा कि चाहे धर्मनिरपेक्षता हो या समाजवाद, इन्हें पश्चिम के संदर्भ में देखने की जरूरत नहीं। भारतीय परिवेश ने इन शब्दों, मूल्यों, संकल्पनाओं, अवधारणाओं को काफी हद तक अपने अनुरूप ढाल लिया है। वैसे भारतीय समाज ने इस शब्द के मूल भाव का सहजता से अंगीकार किया भी है। यही वजह है कि कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान का मूल स्वर बताते हुए इसकी संकुचित व्याख्या करने से बचने के लिये हिदायत दी है।

- ललित गर्ग

नायडु का बयान और भाजपा की चुप्पी

आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडु और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपने राज्य के लोगों से दो से अधिक बच्चे पैदा करने की मांग की है। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि इन दो राज्यों के मुख्यमंत्रियों की इस मांग के बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने चुप्पी साध रखी है। मुसलमानों को दो से अधिक बच्चे पैदा करने पर परोक्ष और प्रत्यक्ष तौर पर कोसने वाली भाजपा इन दो मुख्यमंत्रियों की मांग पर पूरी तरह मौन है। कारण साफ है चंद्रबाबू नायडु ने केंद्र की भाजपा सरकार को अपनी पार्टी तेलगुदेशम पार्टी के सांसदों का समर्थन दे रखा है। दूसरे शब्दों में कहें तो केंद्र की मोदी सरकार नायडु की बैसाखियों पर टिकी है। इसलिए दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने के नायडु के बयान पर भाजपा ने मौन रखना ही बेहतर समझा। इसमें भाजपा को देश के लिए वैसा खतरा नजर नहीं आया, जैसा मुसलमानों की जनसंख्या वृद्धि को लेकर दिखाई देता है। नायडु के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा था कि लोगों को 16 बच्चे पैदा करने चाहिएं। यह बात उन्होंने सरकारी विवाह योजना के तहत 31 जोड़ों के विवाह समारोह में कही। स्टालिन का यह सुझाव नायडु द्वारा यह खुलासा किए जाने के एक दिन बाद आया है कि आंध्रप्रदेश में उनकी सरकार एक ऐसा कानून बनाने की योजना बना रही है, जिसके तहत केवल दो से अधिक बच्चों वाले लोगों को ही स्थानीय निकाय चुनाव लडने की अनुमति होगी। जनसंख्या के आधार पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों को फिर से परिभाषित करने की कवायद 2026 में होने वाली है। इससे लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढकर 753 हो जाएगी।

दक्षिण में क्षेत्रीय दलों को डर है कि इससे अधिक आबादी वाले राज्यों में सीटों की संख्या में भारी उछाल आएगा, जबकि दक्षिण में यह वृद्धि मामूली होगी। इन दलों के नेताओं को लगता है कि पिछले कुछ दशकों में परिवार नियोजन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए दक्षिणी राज्यों को दंडित किया जा रहा है, क्योंकि जिन राज्यों में जनसंख्या का घनत्व अधिक है, उनका लोकसभा में प्रतिनिधित्व अधिक होगा। वर्ष 2026 में क्षेत्र पुनर्विभाजन हो सकता है, इस अनुमान और उस समय की अनुमानित जनसंख्या के आधार पर कहा जा सकता है कि पुनर्विभाजन में जनसंख्या नियंत्रण के कदम उठाने वाले दक्षिणी राज्यों को भारी नुकसान होगा, जबकि जनसंख्या नियंत्रण नहीं करने वाले हिंदी भाषी राज्य बड़ा फायदा उठाएंगे। उदाहरण के लिए, वर्तमान लोकसभा में हिंदी भाषी राज्यों की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत है, जो विस्तारित लोकसभा में 48 प्रतिशत हो जाएगी। दक्षिण भारत के राज्यों की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत से घटकर 20 प्रतिशत हो जाएगी। बाकी राज्यों की हिस्सेदारी भी 34 प्रतिशत से घटकर 32 प्रतिशत हो जाएगी। आजादी के बाद जब 1951 में पहली जनगणना हुई, तब देश की आबादी 36 करोड़ के आसपास थी। 1971 तक आबादी बढ़कर 55 करोड़ पहुंच गई। लिहाजा, सरकार ने 70 के दशक में फैमिली प्लानिंग पर जोर दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि दक्षिणी राज्यों ने तो इसे अपनाया और आबादी काबू में की। मगर, उत्तर के राज्यों में ऐसा नहीं हुआ और आबादी तेजी से बढ़ती गई। ऐसे में उस समय भी दक्षिणी राज्यों की ओर से सवाल उठाया गया कि उन्होंने तो फैमिली प्लानिंग लागू करके आबादी कंट्रोल की और उनके यहां ही सीटें कम हो जाएंगी। सीटें कम होने का मतलब संसद में प्रतिनिधित्व कम होना। इसलिए विवाद हुआ। अभी तमिलनाडु की अनुमानित आबादी 7.70 करोड़ है और वहां लोकसभा की 39 सीटें हैं। जबकि, मध्य प्रदेश की आबादी 8.76 करोड़ है और यहां 29 लोकसभा सीटें हैं। परिसीमन होता है तो अभी की आबादी के हिसाब से मध्य प्रदेश में 87 लोकसभा सीटें हो जाएंगी और तमिलनाडु में 77 सीटें होंगी। सीटों की यह संख्या हर 10 लाख आबादी पर एक सांसद वाले फॉर्मूले के हिसाब से है। इसी तरह केरल की अनुमानित आबादी 3.59 करोड़ है। अभी यहां 20 लोकसभा सीटें हैं, वहीं उत्तर प्रदेश की आबादी 23.80 करोड़ है और यहां 80 सांसद हैं। अगर वही 10 लाख वाला फॉर्मूला लागू किया जाए तो केरल में लोकसभा सीटों की संख्या बढ़कर 35 या 36 होगी। जबकि, उत्तर प्रदेश में लोकसभा सीटों की संख्या 235 या उससे ज्यादा भी हो सकती है।

इसी वजह से दक्षिणी राज्यों को आपत्ति है। उनका यही कहना है कि हमने आबादी नियंत्रित की, केंद्र की योजनाओं को लागू किया और उनके ही यहां लोकसभा सीटें कम हो जाएंगी। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडु को हर हाल में आंध्रप्रदेश में अपने वोट बैंक को मजबूत रखना है। मुख्यमंत्री नायडु को इससे फर्क नहीं पड़ता कि भाजपा उनके बारे में क्या सोचती है। नायडु से समर्थन लेने की गरज भाजपा की है, नायडु की नहीं। यही वजह है कि मुख्यमंत्री नायडु ने आंध्रप्रदेश में जब मुस्लिमों को मिला आरक्षण नहीं हटाए जाने की घोषणा की, तब भी भाजपा से बोलते नहीं बन पड़ा। भाजपा को पता है कि नायडु से पंगा लेने का मतलब केंद्र सरकार का गिरना तय है। नायडु की पार्टी के 16 सांसदों का समर्थन केंद्र की भाजपा सरकार को हासिल है। इसलिए नायडु को भाजपा और केंद्र सरकार की परवाह नहीं है। नायडु ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान ही राज्य में मुस्लिम समुदाय को चार प्रतिशत आरक्षण देने के अपने रुख को दोहराया दिया था। चंद्रबाबू नायडु ने कहा था कि हम शुरू से ही मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण का समर्थन कर रहे हैं और यह जारी रहेगा। टीडीपी प्रमुख का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तेलंगाना के जहीराबाद में एक चुनावी रैली के दौरान दिए गए उस बयान के कुछ दिनों बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह धर्म के आधार पर दलितों, आदिवासियों और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का कोटा मुसलमानों को नहीं दिए जाने देंगे। गौरतलब है कि इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक की ओबीसी सूची में मुस्लिम समुदाय को शामिल किए जाने पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली सिद्धारमैया सरकार के फैसले की निंदा की थी।

मध्य प्रदेश की रैली में पीएम मोदी ने कांग्रेस को ओबीसी समुदाय का सबसे बड़ा दुश्मन करार दिया और कहा, एक बार फिर कांग्रेस ने पिछले दरवाजे से ओबीसी के साथ सभी मुस्लिम जातियों को शामिल करके कर्नाटक में धार्मिक आधार पर आरक्षण दिया है। इस कदम से ओबीसी समुदाय को आरक्षण के एक महत्वपूर्ण हिस्से से वंचित कर दिया गया है। रिकॉर्ड बताते हैं कि कर्नाटक में यह आरक्षण पहली बार 1995 में एचडी देवेगौड़ा की जनता दल सरकार द्वारा लागू किया गया था। दिलचस्प बात यह है कि चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी की तरह ही देवेगौड़ा की जद (एस) अब भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सहयोगी है। भविष्य की राजनीति बचाने के लिए की जा रही नायडु और स्टालिन की कवायद से सवाल भी खड़े होते हैं। इसमें प्रमुख सवाल यही है कि क्या दोनों मुख्यमंत्री दो से ज्यादा पैदा होने वाले बच्चों के पालन-पोषण का भार वहन करेंगे।

-योगेंद्र योगीस्व

राशिफल

कार्तिक कृष्ण पक्ष : एकादशी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मन आनंदित रहेगा। प्रेम में लिप्त रहेंगे। संबंधों में लिप्त रहेंगे। नौकरी चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी रहेगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
शत्रु स्वयं नतमस्तक होंगे। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य थोड़ा ऊपर-नीचे रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
नव प्रेम का आगमन होगा। बच्चों की स्थिति में सुधार। प्रेम में बहुत अपनापन। विद्यार्थियों के लिए बहुत अच्छा समय।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
लग्जरीपूर्ण जीवन रहेगा। भूमि, भवन वाहन की खरीदारी संभव है। घर में कुछ उत्सव संभव है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
पराक्रम रंग लाएगा। अपनों का साथ होगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान का साथ।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
धन का आवक बढ़ेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। मन प्रफुल्लित रहेगा। अच्छे भोजन का रसास्वादन करेंगे।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
समाज में आपका कद बढ़ेगा। समाज में आप सराहे जाएंगे। जरूरत के हिसाब से जीवन में वस्तुएं उपलब्ध होंगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
खर्च की अधिकता रहेगी लेकिन आभूषण, फैशन व जेवर इत्यादि में खर्चे होंगे। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम।

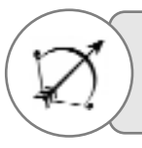

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। यात्रा में लाभ होगा। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यापारिक स्थिति दूर-दूर तक पहुंचेंगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद मिलेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भाग्यवश कुछ काम बनेंगे। कार्यों की विघ्न बाधा खत्म होगी। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम-संतान अच्छा, व्यापार बहुत अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बचकर पार करें। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

किसानों ने दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान परिषद से सुखबीर खलीफा किसान सभा से डॉक्टर रुपेश वर्मा, जय जवान जय किसान मोर्चा से सुनील फौजी एवं किसान संघर्ष समिति से बृजेश भाटी मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश सरकार मनोज कुमार सिंह से आज नोएडा प्राधिकरण के कार्यालय में 12.30 बजे दोपहर में मिले।

22 अक्टूबर को किसानों ने की मांग के अनुसार जिलाधिकारी ने हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक की थी रिपोर्ट में 10 फीसदी प्लाट के बारे में समिति ने सरकार को कोई सिफारिश नहीं की है जिससे किसानों में भारी आक्रोश है। किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने बातचीत का ब्योरा देते हुए बयान जारी किया कि मुख्य सचिव महोदय ने सारी बातें ध्यान से सुनी परंतु 10 प्रतिशत के मुद्दे पर कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया।

किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने कहा कि यह किसानों के साथ सरासर धोखा है जब तक किसानों के साथ अन्याय है तब तक किसान चुप बैठने वाले नहीं है। जय जवान जय किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील फौजी ने मुख्य सचिव से कहा कि यह हमारे जिले में नए कानून का उल्लंघन किया जा रहा है जबकि उत्तर प्रदेश में हर जगह सर्किल रेट का चार गुना मुआवजा दिया गया है यही वजह है कि किसान अपनी जमीनों को प्राइवेट कॉलोनाइजर को बेच रहे हैं हमारी मांग है कि सर्किल रेट रिवाइज कर चार गुना मुआवजा गौतमबुद्ध नगर में भी दिया जाए।

किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष बृजेश भाटी ने कहा कि इस बार जिले में लड़ाई 10 परसेंट को लेकर आर पार की होगी। मीटिंग में नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक महोदय एम लोकेश जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

चोरी का बना रहे थे प्लान पुलिस ने पकड़ा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक-3 पुलिस ने चोरी की योजना बना रहे चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने तमंचा कारतूस,चाकू व दो बाइक बरामद हुए हैं। पकड़े गए बदमाशों ने चोरी की कई घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि मुखबिर ने सूचना दी कि कुछ बदमाश जीडी गोयंका स्कूल वाली रोड की ग्रीन बेल्ट में बैठकर चोरी की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर छापा मारा। पुलिस को देखकर ग्रीन बेल्ट में बैठे चार युवक भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने चारों को दबोच लिया। तलाशी में इनके पास से एक तमंचा, कारतूस, दो चाकू बरामद हुए। पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम जाहिद अल्वी, अनुराग कश्यप, सनी यादव व हर्षित यादव उर्फ हैरी बताया। चारों बदमाशों ने बताया कि वह ग्रीन बेल्ट में बैठकर रात में चोरी करने की योजना बना रहे थे। पकड़े गए बदमाशों ने चोरी की कई घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। पकड़े गए बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज न्यायालय में पेश किया गया है।

पृष्ठ एक के शेष....

पप्पू यादव को ...

को बड़े भाई कहकर संबोधित कर रहा। उनकी तारीफ कर रहा। इसके बाद दूसरे ऑडियो में पप्पू यादव को अपशब्द कह रहा। शख्स ने कहा कि भाई ने जेल से जैमर बंद करवा कर वीडियो कॉल किया था। लेकिन, तुमने नहीं उठाया। यह गलत किया। इसका अंजाम भुगतना होगा। झारखंड के जेल में बंद गैंगस्टर अमन के करीबी मयंक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके पप्पू यादव को धमकी दी है। मयंक सिंह नाम के फेसबुक अकाउंट से 26 अक्टूबर को पोस्ट किया गया था। पोस्ट में लिखा है कि समाचार पत्रों के जरिए जानकारी मिली है कि बीते दिनों बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव उर्फ राजेश रंजन द्वारा लॉरेंस भाई के बारे में उल्टा पुल्टा बयान दिया गया था।

गैंगस्टर के करीबी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मैं पप्पू यादव को स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि तुम औकात में रहकर चुपचाप राजनीति करो, ज्यादा इधर उधर तीन-पांच करके टीआरपी कमाने के चक्कर में मत पड़ो। वरना रेस्ट इन पीस कर देंगे। बता दें कि पप्पू यादव इन दिनों झारखंड में इंडिया गठबंधन के लिए प्रचार कर रहे हैं।

बाइक पर...

देने के इरादे से घूम रहा था। पुलिस पकड़े गए बदमाश का आपराधिक इतिहास का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

बस ने राहगीर...

बताया कि पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो को खंगाला जा रहा है। थाना सेक्टर-58 क्षेत्र के इलेक्ट्रॉनिक मेट्रो स्टेशन के पास तेज गति में आ रही बस के चालक ने पैदल जा रहे हरेंद्र को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से हरेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराया जहां से उसे दिल्ली सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। कई दिन जिंदगी की जंग लड़ने के बाद उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के बहनोई विजय ने अज्ञात बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। विजय ने बताया कि हरेंद्र जनपद संत कबीर नगर का रहने वाला था और सेक्टर-62 स्थित गैलेक्सी टावर कंपनी में पेंट का काम कर रहा था।

पत्नी व बच्चों...

व बच्चे उससे अलग रहते हैं। अपनी पत्नी व बच्चों को फंसाने के लिए उसने खुद को ही गोली मार ली थी। तलाशी में उसके कमरे से तमंचा व कारतूस भी बरामद हुआ है। जांच के दौरान पता चला कि नेम पाल पूर्व में भी अपनी पत्नी को फंसाने के लिए दो बार षड्यंत्र रच चुका है। थाना प्रभारी का कहना है कि इस मामले में जानलेवा हमले के मामले को खत्म कर नेम पाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने की कार्रवाई की जा रही है।

नृत्य, गीत व रंगोली के...

मन मोह लिया। इसके बाद 'राजस्थान को जानों' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें राजस्थान के बारे में सदस्य परिवारों से प्रश्नों के उत्तर मंच पर बुलाकर किये गये और सही उत्तर पर पुरस्कार भी दिए गए। उसके बाद में पारुल माहेश्वरी द्वारा डांडिया का बहुत सुंदर संयोजन किया गया। जिसमें महिला पुरुष सदस्यो ने हिस्सा लिया

संस्था के अध्यक्ष जुगल किशोर भारती ने बताया कि इस कार्यक्रम की विषय वस्तु खास तौर से राजस्थानी परंपरा राजस्थानी गीत राजस्थानी संस्कृति और राजस्थान के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए रखी गई। कार्यक्रम की सभी सदस्यों बहुत सराहना की गई। संस्था की सभी पूर्व अध्यक्ष जी पी केडिया, आ.पी. सोनी, महेंद्र शाह, जी सी माहेश्वरी अंजनी सर्राफ, विजय सोनी, अनिल अग्रवाल, अरविंद सोनी, आर.सी बजाज पवन शर्मा, के. सी गुप्ता, एन के मालपानी, जीवन जैन के साथ-साथ संस्था के पैटर्न मेंबर आर के पुरोहित, संस्था के महासचिव निशु गुप्ता, कोषाध्यक्ष निर्मल भुतोडिया, राजेश खंडेलवाल, राजीव गुप्ता, विक्रम अग्रवाल, रंजू माथुर, सरिता गुप्ता, रंजना सोनी, राजेंद्र गोयल, अरुण अग्रवाल, विनय सोनी, राम रतन शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि शामिल हुए।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:

0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:

chetnamanch.pr@gmail.com

raghuvanshirampal365@gmail.com

raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in

www.chetnamanch.com

कार्यालयः अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड गौतमबुद्धनगर।

पत्रांक- 1252/ग्रा0अ0वि0/निविदा-पत्रा./2024-25 दिनांकः- 18.10.2024

ई0-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना संख्या-09

1- महामहिम श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश के द्वारा ए0बी0सी0डी0 श्रेणी में कार्यो की लागत सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओ से ई-टण्डेरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्यो हेतु निविदा धन की प्रत्याशा में आंमत्रित की जाती है। बिड डाक्यूमेंट के साथ संलग्न बिल ऑफ क्वान्टिटी के अंकित दरों में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर समिलित है, जी0एस0टी0 का भुगतान सरकार के निर्देशानसुार नियमानुसार अलग से किया जायेगा। निविदादाताओं से अपेक्षा की जाती है, कि निविदा डालने से पूर्व निविदा प्रपत्रों में अंकित एस0बी0डी0 के अन्तगर्त न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में सभी षर्तो का भली-भॉति अध्ययन कर लें।

2- कार्यो से सम्बन्धित विवरण निम्नव्त है:-

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में) 2% EMD	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य-स्टेंशनरी जी.एस.टी. सहित	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	तिगरी बृजेश के मकान से महानंद विश्वास के मकान तक इंटरलॉकिग व नाली निर्माण कार्य।	4.87	0.10	3 माह	677.00	UP RED A,B,C,D
2	ककराला शिव धाम इन्कलेव में गोपाल गौरव के मकान के अगले कोने से पवन सिहॅ की गली तक इंटरलॉकिग व नाली निर्माण कार्य।	14.39	0.29	3 माह	766.00	UP RED A,B,C,D
3	सलारपुर में गार्डन वैली में मिथिलेश राय के घर से राकेश राय के घर तक इंटरलॉकिग व नाली निर्माण कार्य।	12.71	0.26	3 माह	766.00	UP RED A,B,C,D

1- वैवसाईट पर बिड डाक्यूमेंट की उपलब्धता की तिथि एवं समयः-11.11.2024 प्रातः 10:00 बजे सें।
2- बिड डाक्यूमेंट डाउनलोडिंग प्रारम्भ करने की तिथि एवं समयः-11.11.2024 प्रातः 10:00 बजे सें।
3- प्री0 बिड मीटिंग की तिथि एवं समयः-11.11.2024 दोपहरः 03:00 बजे सें।
बैठक हेतु स्थलः-कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड गौतमबुद्धनगर, विकास भवन, सूरजपुर।
4- ई-निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारम्भ तिथि एवं समयः-11.11.2024 प्रातः 10:00 बजे सें।
5- ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति की अन्तिम तिथि एवं समयः-15.11.2024 दोपहरः 12:00 बजे सें।
6- ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समयः-16.11.2024 दोपहर 12:30 बजे सें।
7- टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नही होगा।
8- कार्य को पूर्ण करने की अवधि उक्त तालिका के कॉलम संख्या-5 में वर्शाकाल सहित अंकित है।
9- निविदा प्रपत्र शुल्क का भुगतान इंटरनेट बैकिंग के माध्यम से किया जाना अनिवार्य होगा।
10- निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्ते तथा अन्य विवरण http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है
11- नियोक्ता को आई.टी.बी. क्लॉज 10 ऑनलाइन के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जाएगा। सभी संभावित बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि नियमित रूप से निगरानी रखें और नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर जाए।

www.upgov.nic.in
Upid-221293 Dt. 25/10/2024

अधिशासी अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड गौतमबुद्धनगर

पूर्व दिशा की ओर जाने वाली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ-2024

दीपावली एवं छठ पूजा त्यौहारों के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा अन्य क्षेत्रीय रेलों के सहयोग से दिनांक 28.10.2024 से 30.10.2024 तक पूर्व दिशा की ओर निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई जायेंगी, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

दिनांक 28.10.2024 (सोमवार) को पूर्व दिशा की ओर प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	स्थान	ठहराव
04032	आनन्द विहार (टर्मि.)	05:15	सहरसा जं.	10:30	3 टियर वाता.	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढी, जनकपुर रोड, दरभंगा जं., सकरी जं., झंझारपुर, निर्मली, सरायगढ़, सुपौल और गढ़ बरुआरी
04096	आनन्द विहार (टर्मि.)	09:00	अयोध्या कैंट	22:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., एवं शयनयान	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली और लखनऊ
04078	आनन्द विहार (टर्मि.)	23:55	पटना जं.	16:25	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता.	गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पं.दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा और दानापुर
04058	आनन्द विहार (टर्मि.)	23:15	मुजफ्फरपुर	21:15	3 टियर वाता.	मुरादाबाद, चंदौसी जंक्शन, हरदोई, लखनऊ, गोरखपुर जंक्शन, छपरा और हाजीपुर जंक्शन
03256	आनन्द विहार (टर्मि.)	23:20	पटना जं.	17:20	2 टियर वात., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा और दानापुर
03258	आनन्द विहार (टर्मि.)	05:00	दानापुर	20:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान, सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा
05220	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:00	मुजफ्फरपुर	00:45	शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर जं. एवं हाजीपुर जं.
05024	आनन्द विहार (टर्मि.)	15:15	गोरखपुर	04:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान, सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर जं., बुढ़वल जं., गोंडा जं., बस्ती और खलीलाबाद
02398	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:20	गया	00:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन और अनुग्रह नारायण रोड
05284	आनन्द विहार (टर्मि.)	07:00	मुजफ्फरपुर	04:50	2 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जंक्शन, बेतिया, सगौली जंक्शन, बापूधाम मोतिहारी, पिपरा, चकिया, मेहसी और मोतीपुर
03414	नई दिल्ली	10:30	मालदा टाउन	07:55	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., पटना साहेब, फतुहा, खुसरोपुर, बख्तियारपुर जं., बाढ़., मोकामा, हाथीदह जं., बरहिया, लक्खीसराय जं., किऊल जं., कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जं., बरियारपुर, सुल्तानगंज, भागलपुर, कहलगांव, साहिबगंज जं., बरहरवा जं. एवं न्यू फरक्का जं.
02564	नई दिल्ली	17:55	बरौनी जं.	15:10	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा एवं मुजफ्फरपुर जं.
02570	नई दिल्ली	12:15	दरभंगा	10:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, छपरा, मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
02394	नई दिल्ली	13:20	पटना जं.	07:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान, सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर
04080	दिल्ली जं.	19:30	वाराणसी जं.	09:45	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, रायबरेली और माबेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़
02422	दिल्ली जं.	09:30	सुबेदारगंज	19:40	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ़ जं., टुंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल और फतेहपुर
05002	दिल्ली जं.	15:15	गोरखपुर जं.	09:55	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर जं., बुढ़वल जं., गोंडा जं., बलरामपुर, तुलसीपुर, बढ़नी, सिद्धार्थ नगर और आनंद नगर
02246	हज़रज निज़ामुद्दीन	23:55	पटना जं.	16:40	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता.	गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा और दानापुर
04124	हज़रज निज़ामुद्दीन	15:50	प्रयागराज जं.	09:00	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मथुरा जं., आगरा कैंट., धौलपुर, ग्वालियर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, मऊ रानीपुर, हरपालपुर, कुलपहाड़, महोबा, बांदा जंक्शन, अतर्रा, चित्रकूट, मानिकपुर जंक्शन, डभौरा और शंकरगढ़

दिनांक 29.10.2024 (मंगलवार) को पूर्व दिशा की ओर प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	स्थान	ठहराव
04032	आनन्द विहार (टर्मि.)	05:15	सहरसा जं.	10:30	3 टियर वाता.	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढी, जनकपुर रोड, दरभंगा जं., सकरी जं., झंझारपुर, निर्मली, सरायगढ़, सुपौल और गढ़ बरुआरी
04060	आनन्द विहार (टर्मि.)	10:30	जयनगर	15:15	3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, लखनऊ, रायबरेली जं., अमेठी, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, वाराणसी, पं.दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर जंक्शन, मुजफ्फरपुर जंक्शन, समस्तीपुर जंक्शन, दरभंगा जंक्शन एवं मधुबनी
04044	आनन्द विहार (टर्मि.)	23:15	गोरखपुर जं.	14:00	3 टियर वाता.	गाजियाबाद, मुरादाबाद, चंदौसी जं., बरेली कैंट., सीतापुर जं., गोंडा जं. एवं बस्ती
04010	आनन्द विहार (टर्मि.)	23:45	जोगबनी	05:20	2 टियर वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, चंदौसी जं., बरेली कैंट., शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगुसराय, खगड़िया जं., नौगछिया, कटिहार जं., पूर्णिया जं., अररिया कोर्ट, अररिया एवं फारबिसगंज जं.
04048	आनन्द विहार (टर्मि.)	15:20	कटिहार जं.	15:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं.दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पाटलिपुत्र, हाजीपुर जं., बरौनी जं., बेगुसराय, खगड़िया जं. एवं मानसी जं.
03436	आनन्द विहार (टर्मि.)	15:45	मालदा टाउन	23:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं.दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं. बख्तियारपुर जं., मोकामा, किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं., सुल्तानगंज, भागलपुर, कहलगांव, पीरपैंती, साहिबगंज जं., बरहरवा जं. एवं न्यू फरक्का जं.
05220	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:00	मुजफ्फरपुर	00:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र सोनपुर जं. एवं हाजीपुर जं.
02398	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:20	गया	00:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन और अनुग्रह नारायण रोड
05284	आनन्द विहार (टर्मि.)	07:00	मुजफ्फरपुर	04:50	2 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जंक्शन, बेतिया, सगौली जंक्शन, बापूधाम मोतिहारी, पिपरा, चकिया, मेहसी और मोतीपुर
04070	नई दिल्ली	00:20	राजगीर	21:00	प्रथम वाता.-सह-2 टियर वाता., 2 टियर वाता.-सह-3 टियर वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता.	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं.दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., बख्तियारपुर जं. एवं बिहार शरीफ
04052	नई दिल्ली	14:20	जयनगर	15:40	प्रथम वाता., 2 टियर वाता.-सह-3 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं.दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., मोकामा, बरौनी जं., समस्तीपुर जं. एवं दरभंगा जं.
02248	नई दिल्ली	08:25	पटना जं.	20:30	कुर्सीयान, एग्जीक्यूटिव कुर्सीयान	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा
02564	नई दिल्ली	17:55	बरौनी जं.	15:10	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा एवं मुजफ्फरपुर जं.
02570	नई दिल्ली	12:15	दरभंगा	10:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, छपरा, मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
02394	नई दिल्ली	13:20	पटना जं.	07:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर
05112	नई दिल्ली	12:50	छपरा	11:30	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, बरेली जं., सीतापुर जं., बुढ़वल, गोंडा, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, पिपराइच, कप्तानगंज, पडरौना, तमकुही रोड, थावे जंक्शन, दिघवा दुबौली और मशरख
04068	दिल्ली जं.	19:30	दरभंगा	16:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., नरकटियागंज जं., रक्सौल जंक्शन, बैरगनिया, सीतामढी और जनकपुर रोड
04006	दिल्ली जं.	23:05	जयनगर	23:45	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., छपरा, हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं., समस्तीपुर जं., दरभंगा जं. एवं मधुबनी

दिनांक 30.10.2024 (बुधवार) को पूर्व दिशा की ओर प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	स्थान	ठहराव
04022	आनन्द विहार (टर्मि.)	11:40	सीतामढ़ी	15:45	3 टियर वाता	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, लखनऊ, रायबरेली जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, वाराणसी, औंड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं. एवं मुजफ्फरपुर जं.
04096	आनन्द विहार (टर्मि.)	09:00	अयोध्या कैंट	22:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., एवं शयनयान	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली और लखनऊ
05220	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:00	मुजफ्फरपुर	00:45	शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर एवं हाजीपुर
04056	आनन्द विहार (टर्मि.)	18:05	बलिया	10:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता. 3 टियर वाता. एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, जौनपुर सिटी एवं गाजीपुर सिटी
02398	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:20	गया	00:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑनसोन और अनुग्रह नारायण रोड
05284	आनन्द विहार (टर्मि.)	07:00	मुजफ्फरपुर	04:50	2 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जंक्शन, बेतिया, सगौली जंक्शन, बापूधाम मोतिहारी, पिपरा, चकिया, मेहसी और मोतीपुर
05038	आनन्द विहार (टर्मि.)	11:10	बनारस	01:10	3 टियर वाता. इकोनॉमी	मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, रायबरेली जंक्शन, अमेठी, मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ और भदोही
02262	नई दिल्ली	00:20	दरभंगा	21:15	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान	गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर
04054	नई दिल्ली	14:20	बरौनी जं.	11:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता. शयनयान, सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, पटना जं. एवं मोकामा
02252	नई दिल्ली	08:25	पटना जं.	20:00	कुर्सीयान, एग्जीक्यूटिव कुर्सीयान	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा
03484	नई दिल्ली	10:30	भागलपुर	04:10	शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं.दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., पटना साहिब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा, हाथीदा जं. बड़हिया, लक्खीसराय जं., किऊल जं., कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जं., बरियारपुर और सुल्तानगंज
02564	नई दिल्ली	17:55	बरौनी जं.	15:10	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा एवं मुजफ्फरपुर जं.
02570	नई दिल्ली	12:15	दरभंगा	10:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, छपरा, मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
02394	नई दिल्ली	13:20	पटना जं.	07:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान, सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर
04036	नई दिल्ली	12:00	भागलपुर	10:00	सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं.दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पटना जं., किऊल जं. एवं जमालपुर जं.
04034	दिल्ली जं.	23:45	जयनगर	23:00	शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं.दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., मोकामा जं., बरौनी जं., समस्तीपुर जं., दरभंगा जं. और मधुबनी
02246	हज़रज निज़ामुद्दीन	23:55	पटना जं.	16:40	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता.	गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा और दानापुर

रेल यात्रा के दौरान ज्वलनशील वस्तुएं जैसे पटाखे, पेट्रोल, मिट्टी का तेल, गैस सिलेंडर आदि लेकर कभी यात्रा न करें।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पर हमें फॉलो करें

खास खबर

टीवीएस रेडर आईगो वेरिएंट का बूस्ट मोड युवाओं को आएगा पंसद

मुंबई। टीवीएस रेडर 125 का नया आईगो वेरिएंट लांच किया है। इस नए मॉडल में कई इनोवेटिव फीचर्स दिखने को मिलने वाले हैं, जिसमें सबसे प्रमुख बूस्ट मोड है, जो इस सेगमेंट में पहली बार दिखाई देगा है। इस वेरिएंट की एक्स-शोरूम कीमत 98,389 रुपये रखी गई है। टीवीएस रेडर आईगो वेरिएंट में बूस्ट मोड से 0.55 प्रतिशत अतिरिक्त टॉर्क और 10 प्रतिशत तक अधिक माइलेज मिलती है, जो खासकर युवाओं के लिए आकर्षक है। बाइक में अपग्रेडेड रिवर्स एलसीडी कनेक्टेड क्लस्टर है, जो 85 से अधिक कनेक्टेड फीचर्स के साथ आता है। टीवीएस के मुताबिक, यह वेरिएंट अपने सेगमेंट में सबसे तेज है और महज 5.8 सेकंड में 0-60 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकता है। कंपनी के अधिकारी ने कहा कि आईगो असिस्ट के कारण यह बाइक 11.75 एनएम का टॉर्क जेनरेट करती है, जिससे इसका एक्सेलेरेशन बेहद स्मूद है।

केटीएम ने पेश कि 1390 सुपर एडवेंचर एस ईवो

मुंबई। ऑस्ट्रियाई बाइक निर्माता केटीएम ने अपनी पहली ऑटोमेटेड मैनुअल ट्रांसमिशन (एटीएम) बाइक, 2025 केटीएम 1390 सुपर एडवेंचर एस ईवो को पेश किया है। यह केटीएम की पहली ऐसी बाइक है जो ऑटोमैटिक और मैन्युअल दोनों मोड्स में ऑपरेट हो सकती है, जिससे राइडर को कम स्पीड और क्रूजिंग के दौरान बेहतर नियंत्रण मिलता है। नए मॉडल में बड़ा 1350सीसी का इंजन है, जो 173 पीएस की पावर और 145 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है, और यह यूरो 5+ मानकों के अनुरूप है। इस बाइक में सेमी-एक्टिव सस्पेंशन टेक्नोलॉजी (एसएटी) और 8.8-इंच का वर्टिकल टीएफटी डिस्प्ले है, जो दस्तानों के साथ भी आसानी से ऑपरेट होता है। इसमें 19-इंच का फ्रंट और 17-इंच का रियर व्हील दिया गया है, जो नए डनलप मेरिडियन टायर के साथ आता है।

आईडीएफसी फर्स्ट का सितंबर तिमाही में मुनाफा 73 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का एकल आधार पर मुनाफा चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर में 73 प्रतिशत घटकर 11,746 करोड़ रुपये रहा है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 751 करोड़ रुपये रहा था। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि हालांकि कुल आमदनी समीक्षाधीन अवधि में 10,684 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 8,786 करोड़ रुपये रही थी। बैंक की ब्याज आय बढ़कर 8,957 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 7,356 करोड़ रुपये थी। शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) बढ़कर 4,788 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष की दूसरी तिमाही में 3,950 करोड़ रुपये थी। परिसंपत्ति गुणवत्ता के संबंध में, बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) सितंबर, 2024 के अंत तक घटकर सकल कर्ज का 1.92 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले 2.11 प्रतिशत थी।

रिजर्व बैंक के गवर्नर दास को शीर्ष केंद्रीय बैंकर का पुरस्कार मिला

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास को अमेरिका की पत्रिका ग्लोबल फाइनेंस ने शीर्ष केंद्रीय बैंकर का दर्जा दिया है। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब उन्हें विश्व स्तर पर शीर्ष केंद्रीय बैंकर का दर्जा दिया गया है। आरबीआई ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि गवर्नर शक्तिकांत दास को लगातार दूसरे साल सेंट्रल बैंक रिपोर्ट कार्ड 2024 में ए प्लस का पुरस्कार दिया गया है। ग्लोबल फाइनेंस द्वारा अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में आयोजित एक कार्यक्रम में यह सम्मान दिया गया। दास को तीन केंद्रीय बैंक गवर्नरों की सूची में शीर्ष पर रखा गया है, जिन्हें ह्यए प्लस रेटिंग दी गई है। ग्लोबल फाइनेंस पत्रिका ने बयान में कहा कि मुद्रास्फीति पर नियंत्रण, आर्थिक वृद्धि लक्ष्यों, मुद्रा स्थिरता और ब्याज दर प्रबंधन में सफलता के लिए श्रेणी ए से एफ के पैमाने पर रेटिंग दी गई। यहां ए उत्कृष्ट प्रदर्शन को दर्शाता है।

तिमाही नतीजों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा : विशेषज्ञ

एजेंसी

नई दिल्ली। स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह के दौरान विदेशी निवेशकों की गतिविधियों, वैश्विक रुख और कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी। बाजार के विश्लेषकों ने कहा है कि मासिक डेरिवेटिव्स अनुबंधों के निपटान की वजह से बाजार में कुछ और गिरावट देखने को मिल सकती है। विदेशी कोषों की भारी निकासी और कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजे अच्छे नहीं रहने की वजह से पिछले सप्ताह बाजार में बड़ी गिरावट आई थी। एक विशेषज्ञ ने कहा कि अगले महीने की शुरूआत में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले निवेशकों के सतर्क रहने से निकट अवधि में बाजार में कमजोरी का रुख जारी रह सकता है। दिवाली के मौके पर शुक्रवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे, लेकिन शाम को एक घंटे के लिए विशेष मुहूर्त कारोबार होगा। प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और एनएसई एक नवंबर को दिवाली के अवसर पर एक घंटे का विशेष मुहूर्त कारोबार आयोजित करेंगे, जो नए संवत 2081 की शुरूआत का प्रतीक है। बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि हमें उम्मीद है कि अल्पावधि में बाजार में गिरावट जारी रहेगी। इस रुख में बदलाव एफआईआई की बिकवाली की रफ्तार कम होने और अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों के नतीजों पर निर्भर करेगा। आगे चलकर एफआईआई का प्रवाह बाजार की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जबकि अक्टूबर के वायदा एवं विकल्प निपटान की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव रहने की उम्मीद है। अभी दूसरी तिमाही के नतीजों का सत्र चल रहा है। ऐसे में आगामी तिमाही नतीजे बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर भू-राजनीतिक घटनाक्रम, विशेष रूप से ईरान-इजराइल संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों पर इसका असर बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले दुनियाभर के बाजार सतर्क और इंतजार करो का रुख अपना सकते हैं। महत्वपूर्ण आंकड़े जैसे अमेरिका के रोजगार के आंकड़े, सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े, चीन का पीएमआई विनिर्माण आंकड़ा बाजार के लिए महत्वपूर्ण संकेतक होंगे। अमेरिका का मुख्य पीसीई मूल्य सूचकांक 31 अक्टूबर को जारी होगा, जिसके आधार पर अमेरिकी केंद्रीय बैंक महंगाई का आकलन करता है। इसके अलावा बैंक ऑफ जापान भी 31 अक्टूबर को अपने ब्याज दर पर निर्णय की घोषणा करने वाला है। इस सप्ताह अदाणी पावर, बीएचईएल, अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पोर्ट्स और डाबर इंडिया अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। एक विश्लेषक ने कहा कि अक्टूबर की शुरूआत में शुरू हुई एफपीआई की बिकवाली का सिलसिला जारी है और अभी इस रुख के पलटने का कोई संकेत नहीं है। चीन द्वारा प्रोत्साहन उपायों की घोषणा के बाद एफपीआई की बिकवाली शुरू हुई है। इसके अलावा चीन के शेयरों का मूल्यांकन भी कम है। भारत में शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन की वजह से एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं। एफपीआई की बिकवाली से बाजार धारणा प्रभावित हुई है और निफ्टी अपने शीर्ष स्तर से आठ प्रतिशत नीचे आ गया है। कमजोर वैश्विक संकेतों, दूसरी तिमाही के उम्मीद से कमजोर नतीजों की वजह से कुल मिलाकर निफ्टी 26,277 अंक के सर्वकालिक उच्चस्तर से आठ प्रतिशत नीचे आ गया है। अमेरिका में पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनावों की वजह से अभी बाजार में कमजोरी का यह रुख जारी रहेगा।

- ईरान-इजराइल संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों का भी बाजार पर रहेगा असर

ईएसआई योजना में 20.74 लाख नए कर्मचारी शामिल हुए

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने बताया कि अगस्त, 2024 में ईएसआई योजना के तहत करीब 20.74 लाख नए श्रमिक जोड़े गए हैं। मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार नए पंजीकरण में 25 वर्ष तक की आयु वर्ग के लगभग 9.89 लाख युवा कर्मचारी शामिल हैं। पेरोल आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि ईएसआई योजना में नामांकित महिला सदस्यों की कुल संख्या 4.14 लाख थी। आंकड़ों से पता चलता है कि अगस्त 2024 के महीने में लगभग 28,917 नए प्रतिष्ठानों को ईएसआई योजना के सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया है, जिससे अधिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी। वर्ष दर वर्ष विश्लेषण से पता चलता है कि अगस्त 2023 की तुलना में शुद्ध पंजीकरण में 6.80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अलावा वर्ष दर वर्ष विश्लेषण से पता चलता है कि पिछले वर्ष अगस्त की तुलना में शुद्ध पंजीकरण में 6.80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अलावा अगस्त, 2024 के महीने में कुल 60 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों को भी ईएसआई योजना के तहत पंजीकृत किया गया है।

धनतेरस के पहले सर्राफा बाजार में तेजी, सोना 80 हजार के पार

- चांदी की कीमत में आज मामूली तेजी दर्ज की गई

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सराफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन तेजी नजर आ रही है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी मामूली तेजी का रुख बना हुआ है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज एक बार फिर 80 हजार का स्तर पार करके 80,440 रुपये से लेकर 80,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 73,750 से लेकर 73,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में मामूली तेजी आने के कारण दिल्ली सराफा बाजार में इस चमकीली धातु की कीमत आज 98,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 80,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,600 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 80,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 80,340 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के भाव तेजी के साथ बंद

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में तेजी और देश में त्योहारी मांग बढ़ने से देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के भाव मजबूत बंद हुए। इस तेजी के कारण सरसों, सोयाबीन एवं मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम में सुधार देखने को मिला। बाजार सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चे पामतेल (सीपीओ) का भाव 1,200 डॉलर प्रति टन हो गया जो उसके पिछले सप्ताह 1,135-1,140 डॉलर प्रति टन था। इसी तरह सोयाबीन तेल का दाम 1,140-1,045 डॉलर प्रति टन से बढ़कर समीक्षाधीन सप्ताह में 1,242-1,247 डॉलर प्रति टन हो गया। इसके अलावा त्योहारी मांग बढ़ने से सभी तेल-तिलहनों में सुधार दर्ज हुआ। सूत्रों ने कहा कि सरकार को सूरजमुखी तेल की ही तरह आयात होने वाले सोयाबीन तेल, सीपीओ और पामोलीन तेल के लिए भी बाजार भाव के हिसाब से आयात शुल्क मूल्य (टैरिफ) निर्धारण की व्यवस्था कर देनी चाहिये, क्योंकि आयात शुल्क में वृद्धि के बाद सूरजमुखी और बाकी तेल के आयात शुल्क मूल्य निर्धारण के अलग-अलग मानदंड अपनाने की वजह से अब इन्हीं खाद्य तेलों के आयात भाव का अंतर काफी बढ़ जाता है, जिससे सूरजमुखी महंगा बैठता है।

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड समाप्त तिमाही और छमाही के लिए वित्तीय परिणाम 30 को

एजेंसी

रांची। आईडीबीआई बैंक ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के लिए अपने तिमाही नतीजों की घोषणा की। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 39% की साल दर साल मजबूत वृद्धि के साथ 1,868 करोड़ रहा। परिचालन लाभ 45% की साल दर साल वृद्धि करते हुए 3,006 करोड़ हो गया। एनआईएम 4.87% दर्ज किया गया, और शुद्ध ब्याज आय 26% की साल दर साल वृद्धि के साथ 3,875 करोड़ रही। जमा की लागत द2-2025 के लिए 4.66% रही, जबकि द2-2024 के लिए यह 4.22% थी। सीआरएआर साल दर साल 72 बीपीएस सुधरकर 21.98% रहा। परिसंपत्तियों पर रिटर्न 38 बीपीएस की साल दर साल वृद्धि करते हुए 1.97% रहा और इक्विटी पर रिटर्न 130 बीपीएस की सालाना वृद्धि के साथ 20.35% रहा। शुद्ध ब्याज आय द2-2025 में 26% बढ़कर ?3,875 करोड़ हो गई, जबकि द2-2024 में यह 3,066 करोड़ थी। 2-2025 में नेट इंटरेस्ट मार्जिन (एनआईएम) में 54 बीपीएस सुधार हुआ, जो बढ़कर 4.87% हो गया, जबकि द 2-2024 में यह 4.33% था। नेट एनपीए अनुपात 30 सितंबर, 2023 को 0.39% के मुकाबले 30 सितंबर, 2024 को सुधरकर 0.20% हो गया।

जियो भारत 4जी फोन सिर्फ 699 रुपये में उपलब्ध

मुंबई। दूरसंचार कंपनी जियो फेस्टिव सीजन में रिलायंस की तरफ से अभी हाल ही में रिचार्ज प्लान में कई तरह के उपहार का ऐलान किया गया था। वहीं अब रिलायंस जियो ने अपने जियोभारत 4जी फोन की कीमतों में बड़ी कटौती की है। दिवाली के इस खास ऑफर के तहत अब जियोभारत 4जी फोन सिर्फ 699 रुपये में उपलब्ध होगा, जो पहले 999 रुपये में मिल रहा था। कंपनी ने इस सीमित समय के ऑफर की घोषणा करते हुए कहा कि यह ऑफर सभी यूजर्स के लिए उपलब्ध है। इस फोन में 1.77 इंच का क्यूवीजीए टीएफटी डिस्प्ले है और इसमें 1000एमएएच की रिमूवेबल बैटरी दी गई है।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से नौ का मार्केट कैप 2.09 लाख करोड़ घटा

नुकसान में हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट के रुख के बीच सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2,09,952.26 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं। सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में सिर्फ एचडीएफसी बैंक के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। समीक्षाधीन सप्ताह में हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 44,195.81 करोड़ रुपये घटकर 5,93,870.94 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 41,994.54 करोड़ रुपये घटकर 17,96,726.60 करोड़ रुपये रह गई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार मूल्यांकन 35,117.72 करोड़ रुपये घटकर 6,96,655.84 करोड़ रुपये पर आ गया, जबकि भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 24,108.72 करोड़ रुपये घटकर 9,47,598.89 करोड़ रुपये रह गई। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 23,137.67 करोड़ रुपये घटकर 14,68,183.73 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 19,797.24 करोड़ रुपये घटकर 5,71,621.67 करोड़ रुपये पर आ गया, जबकि इन्फोसिस का मूल्यांकन 10,629.49 करोड़ रुपये घटकर 7,69,496.61 करोड़ रुपये रह गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 5,690.96 करोड़ रुपये घटकर 6,02,991.33 करोड़ रुपये पर और आईसीआईसीआई बैंक की 5,280.11 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 8,84,911.27 करोड़ रुपये पर आ गई।

यस बैंक का मुनाफा बढ़कर 566.59 करोड़ हुआ

एजेंसी

मुंबई। निजी क्षेत्र के यस बैंक का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए 147 प्रतिशत बढ़कर 566.59 करोड़ रुपए रहा है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का मुनाफा 228.64 करोड़ रुपए रहा था। पिछली अप्रैल-जून तिमाही में बैंक का मुनाफा 516 करोड़ रुपए रहा था। समग्र कर्ज में 12.4 प्रतिशत की वृद्धि तथा शुद्ध ब्याज मार्जिन के 2.4 प्रतिशत तक बढ़ने के कारण समीक्षाधीन तिमाही में मुख्य (कोर) शुद्ध ब्याज आय 14.3 प्रतिशत बढ़कर 2,200 करोड़ रुपए हो गई। बैंक की गैर-ब्याज आय 16.3 प्रतिशत बढ़कर 1,407 करोड़ रुपए हो गई। कुल जमा राशि 18 प्रतिशत रही, जो उद्योग-व्यापी प्रवृत्ति के विपरीत है कि यह ऋण वृद्धि से कम रही। बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) प्रशांत कुमार ने कहा कि बैंक ने चालू वित्त वर्ष में जमा में 17-18 प्रतिशत और कर्ज में 13-14 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य रखा है। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर, बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) सितंबर 2024 के अंत तक घटकर सकल कर्ज का 1.6 प्रतिशत रह गई, जबकि एक साल पहले यह दो प्रतिशत थी। इसी प्रकार शुद्ध एनपीए घटकर 0.42 प्रतिशत रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के अंत में 0.43 प्रतिशत था। एकीकृत आधार पर बैंक का मुनाफा 19 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सितंबर तिमाही में 12,948 करोड़ रुपए हो गया।

एनवीडीए विश्व की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी

न्यूयार्क। सुपरकंप्यूटिंग एआई चिप्स की बदौलत एनवीडीए अब विश्व की सबसे मूल्यवान कंपनी बन गयी है। एनवीडीए कंपनी अपने नए सुपरकंप्यूटिंग एआई चिप्स की बढ़ती हुई मांग से एप्पल कंपनी से भी आगे निकल गयी है। इस प्रकार उसने दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बनने का नया रिकॉर्ड बनाया है। एनवीडीए के शेयरों में रिकार्ड तेजी दर्ज की गयी है। आंकड़ों के अनुसार एनवीडीए का बाजार मूल्य 3.53 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच गया, जबकि एप्पल का बाजार मूल्य 3.52 ट्रिलियन रहा है। इससे पहले जून में भी एनवीडीए कुछ समय के लिए शीर्ष स्थान पर पहुंची थी पर तब माइक्रोसॉफ्ट और एप्पल ने अंत में उसे पीछे धकेल दिया था।

टाटा समूह ने हवाई जहाज निर्माण क्षेत्र में किया प्रवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। जल्द ही भारत अमेरिका और यूरोप की कतार में खड़ा होने वाला है। दरअसल, टाटा समूह ने हवाई जहाज निर्माण क्षेत्र में प्रवेश कर लिया है। उसका एक प्लांट गुजरात के बडोदरा शहर में बनकर तैयार है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के उनके समकक्ष पेड्रो सांचेज सोमवार करेंगे। टाटा के इस एयरक्राफ्ट कांप्लेक्स में सी-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट का निर्माण किया जाएगा। यह पहली बार है जब देश की कोई निजी कंपनी भारतीय सेना के लिए सैन्य विमान बनाएगी। गौरतलब है कि दुनिया में इस वक्त विमान निर्माण की कुछ चुनिंदा कंपनियां हैं। सबसे चर्चित कंपनी है बोइंग और एयरबस। ये कंपनियां अमेरिका और यूरोप की हैं। रूस और चीन के यहां विमान निर्माण कंपनियां हैं लेकिन वे इतनी लोकप्रिय नहीं हैं। ऐसे में भारत का यह कदम उसे अगली कतार में खड़ा करता है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान जारी कहा कि टाटा समूह का बडोदरा प्लांट में एक पूरा इकोसिस्टम बनेगा। जहां विमानों के निर्माण से लेकर उनकी एसेंबली की जाएगी। सितंबर 2001 में रक्षा मंत्रालय ने 56 विमानों के लिए एयरबस के साथ 21,935 करोड़ रुपये का एक कान्ट्रेक्ट किया था। इनमें से 40 विमानों का निर्माण भारत में करना था। इसके लिए टाटा एडवांस सिस्टम लिमिटेड और एयरबस ने समझौता किया था। भारत सरकार के साथ समझौते के मुताबिक एयरबस को पूरी तरह तैयार 16 विमान सेना को सौंपने थे।

भारत में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस में वृद्धि की महत्वपूर्ण संभावना : एरिक्सन

- भारत में 4जी, 5जी सेवाओं में अब भी काफी अवसर
- सेवाप्रदाता उपयोगकर्ताओं के अनुभव को बढ़ाने के लिए नेटवर्क को सघन करेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वीडन की दूरसंचार उपकरण विनिर्माता कंपनी एरिक्सन का कहना है कि भारत में अंतिम उपयोगकर्ता तक डेटा खपत बढ़ने से उसकी वृद्धि का अगला चरण नेटवर्क सघनीकरण (नेटवर्क डेंसिफिकेशन) से आगे बढ़ेगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। एरिक्सन के भारत में प्रबंध निदेशक और दक्षिण-पूर्व एशिया, ओसियाना और भारतीय बाजार क्षेत्र के लिए एक अधिकारी ने बताया कि भारत में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस में वृद्धि की महत्वपूर्ण संभावना है, और तैनाती की संख्या के मामले में यह जल्द ही अमेरिका के आंकड़े को पार कर जाएगी। अधिकारी ने कहा कि वृद्धि का अगला चरण मुख्य रूप से नेटवर्क उपयोग को बढ़ाने के लिए नेटवर्क सघनीकरण के माध्यम से बढ़ती ट्रैफिक जरूरतों को पूरा करने पर केंद्रित है। नेटवर्क का इस्तेमाल बढ़ने से नेटवर्क सघन होता है। नेटवर्क सघनीकरण नेटवर्क में नोड्स का घनत्व बढ़ाने की प्रक्रिया है, जिससे क्षमता, कवरेज सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होता है। एरिक्सन का अनुमान है कि भारत में डेटा ट्रैफिक 2029 तक प्रति स्मार्टफोन उपयोगकर्ता प्रतिमाह 29 जीबी से बढ़कर 68 जीबी तक पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि यह रुख जारी रहता है तो सेवाप्रदाता उपयोगकर्ताओं के अनुभव को बढ़ाने के लिए नेटवर्क को सघन करेंगे। भारत में 2022 की दूसरी छमाही और 2023 की शुरूआत में 5जी की तेजी से शुरूआत की वजह से एरिक्सन और अन्य दूरसंचार उपकरण विनिर्माताओं के कारोबार में काफी तेजी आई थी। हालांकि, अब उनके कारोबार की रफ्तार धीमी हुई है। एरिक्सन ने दक्षिण-पूर्व एशिया, ओसियाना और भारतीय क्षेत्र में सितंबर, 2024 की तीसरी तिमाही के लिए कारोबार में सालाना आधार पर 44 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है।

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में शेयरों से 85,790 करोड़ निकाले

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली का सिलसिला जारी है। इस महीने एफपीआई ने अब तक भारतीय बाजार से 85,790 करोड़ रुपये या 10.2 अरब डॉलर की निकासी की है। चीन के प्रोत्साहन उपायों, वहां शेयरों के आकर्षक मूल्यांकन तथा घरेलू शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन की वजह से एफपीआई भारतीय बाजार में लगातार बिकवाली कर रहे हैं। विदेशी कोषों की निकासी के मामले में अक्टूबर का महीना सबसे खराब साबित हो रहा है। मार्च, 2020 में, एफपीआई ने शेयरों से 61,973 करोड़ रुपये निकाले थे। इससे पहले सितंबर में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 57,724 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो उनके निवेश का नौ माह का उच्चस्तर है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, जून से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक लगातार लिवाल बने हुए थे। अप्रैल-मई में उन्होंने जरूर 34,252 करोड़ रुपये की निकासी की थी। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि भविष्य में एफपीआई का भारतीय बाजार में निवेश भू-राजनीतिक स्थिति और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव जैसे वैश्विक घटनाक्रमों पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर मुद्रास्फीति का रुख, कंपनियों के तिमाही नतीजे और त्योहारी सत्र की मांग पर एफपीआई की निगाह रहेगी। आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने एक से 25 अक्टूबर के बीच भारतीय शेयर बाजार से 85,790 करोड़ रुपये की निकासी की है।

खास खबर

सचिन ने की न्यूजीलैंड की प्रशंसा

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारतीय टीम के खिलाफ शानदार जीत दर्ज करने वाली न्यूजीलैंड टीम की जमकर प्रशंसा की है। न्यूजीलैंड ने 68 साल में पहली बार भारतीय धरती पर कोई टेस्ट सीरीज जीती है। सचिन ने न्यूजीलैंड के स्पिनर मिचेल सैंटनर की सराहना की है। सैंटनर ने पुणे टेस्ट मैच में कुल 13 विकेट झटके। दूसरे टेस्ट में जीत के साथ ही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड की टीम 2-0 से आगे हो गयी है। तेंदुलकर ने सोशल मीडिया लिखा, ह्य किसी भी मेहमान टीम के लिए भारत में टेस्ट सीरीज जीतना सपना होता है और न्यूजीलैंड ने इसे साकार करने के लिए वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे परिणाम अच्छे ऑलराउंरों वाली टीम से ही मिलते हैं। साथ ही कहा कि सैंटनर ने यहां काफी अच्छा पदर्शन कर कुल 13 विकेट लि। . इस शानदार उपलब्धि के लिए उन्हे बधाई. भारत की अपनी घरेलू धरत पर लगातार 18 टेस्ट सीरीज के बाद यह पहली सीरीज हार है।

राजनीति में उतर रहे ईशान किशन के पिता

नई दिल्ली । क्रिकेटर ईशान किशन के पिता अब राजनीति में कदम रखने जा रह हैं। ईशान के पिता ई. प्रणव कुमार पांडेय जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में शामिल होने वाले हैं। जेडीयू कार्यालय में वह एक कार्यक्रम में उन्हें पार्टी की सदस्यता मिलेग। इस अवसर पर जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा के मौजूद रहने की उम्मीद है। प्रणव पांडेय बिहार की राजधानी पटना में अपने परिवार के साथ रहते हैं। पेशे से वह एक बिल्डर हैं। उनकी मां, सावित्री शर्मा, बिहार की मशहूर चिकित्सक रही हैं, और पिता रामउग्रह सिंह खेती से जुड़े हुए हैं। ईशान भारतीय क्रिकेट टीम के एक स्टार खिलाड़ी हैं। ईशान, ने अब तक 2 टेस्ट मैच, 27 वनडे और 32 टी20 मैच खेले हैं। इसके साथ ही, उन्होंने आईपीएल में 105 मैच भी खेले हैं।

मैक्सवेल ने नहीं छोड़ी टेस्ट क्रिकेट

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल सीमित ओवरों के एक बड़े खिलाड़ी रहे हैं पर टेस्ट में उन्हें खेलने का अधिक अवसर नहीं मिला है। वह केवल सात मैच ही खेल पाये हैं। मैक्सवेल ने कहा कि उनके अंदर अभी काफी टेस्ट क्रिकेट बचा हुआ है और अवसर मिला तो वह खेलेंगे। वह पिछले कई साल से टेस्ट क्रिकेट से दूर हैं। इस ऑलराउंडर ने कहा कि अगर वह अपने टेस्ट खेलने के सपने को छोड़ देते हैं, तो यह उस युवा मैक्सवेल के साथ अन्याय होगा, जिसने हमेशा लंबे प्रारूप में खेलने का सपना हमेशा से देखा था। मैक्सवेल के नाम सीमित ओवरों की क्रिकेट में कई उपलब्धियां हैं। उन्होंने अपना अंतिम टेस्ट 2017 में ऑस्ट्रेलिया के बांग्लादेश दौरे में खेला था। उन्होंने कहा, अगर मैंने टेस्ट क्रिकेट खेलने का सपना छोड़ दिया तो यह उस युवा ग्लेन मैक्सवेल के साथ अन्याय होगा, जिसने बचपन से ही बैगी ग्रीन कैप पहनने का सपना देखा था।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को 8 विकेट से हराया

एजेंसी

कोलंबो । वेस्टइंडीज ने वर्षा प्रभावित तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में डकवर्थ-लुईस नीति से श्रीलंका को आठ विकेट से हरा दिया। श्रीलंका ने पहले दो मैच जीते थे। ऐसे में उसने 2-1 से सीरीज अपने नाम कर ली। वेस्टइंडीज की जीत में एविन लुईस की अहम भूमिका रही। लुइस ने 102 रनों की पारी खेली। लुईस ने छक्का लगातार 61 गेंद में अपना पांचवां शतक लगाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस सलामी बल्लेबाज ने 51 रन के स्कोर पर टखना मुड़ने के बाद भी खेलना जारी रखते हुए शतकीय पारी खेली।

श्रीलंका ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 156 रन बनाए थे। इसके बाद बारिश के कारण पांच घंटे खेल रुका रहा जिससे मैच को 23 ओवर का कर दिया गया। इस प्रकार वेस्टइंडीज को जीत के लिए 23 ओवरों में 195 रन का संशोधित लक्ष्य मिला जिसे टीम ने 22 ओवर में दो विकेट पर 196 रन बनाकर हासिल कर लिया। श्रीलंका की ओर से दोनों सलामी बल्लेबाजों पथुम निसांका ने 56 और अविष्का फर्नांडो ने 34 रन बनाये। इस प्रकार इन दोनो ने पहले विकेट के लिए 17 आवेर में 81 रन जोड़कर अच्छी शुरूआत दिलाई। इसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। एक बार फिर जब खेल शुरू हुआ तो कुसाल मेंडिस ने नाबाद 56 रन बना दिये। वहीं निसांका ने 58 गेंद में अपना 15वां अर्धशतक पूरा किया। मेंडिस ने केवल 19 गेंद में अर्धशतक लगाया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने शुरूआत में ही ब्रेंडन किंग 16 का विकेट खो दिया। लुईस और कप्तान शाई होप 22 ने दूसरे विकेट के लिए 72 रन जोड़कर पारी को संभालने का प्रयास किया। होप के आउट होने के बाद लुईस और शेरफेन रदरफोर्ड ने नाबाद 50 रन बनाकर टीम को जीत दिलायी।

शुरूआत से हावी होने की रणनीति से मिली जीत : टॉम लैथम

एजेंसी

पुणे । न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने कहा है कि उनकी टीम ने शुरूआत से ही मेजबान भारतीय टीम के खिलाफ हावी होने की रणनीति बनायी थी जो सफल रही। इसके अलावा टॉस की भी उनकी जीत में अहम भूमिका रही। न्यूजीलैंड ने दोनो ही टेस्ट जीतकर भारत को सीरीज में 2-0 से हराया है। इसी के साथ ही भारतीय टीम का पिछले डेढ़ साल से जारी जीत का सिलसिला टूट गया। लैथम ने कहा, हमने भारतीय टीम पर मैच के पहले दिन से ही दबाव बनाना शुरू कर दिया था। हम शुरूआती विकेट लेकर इसमें सफल भी रहे।इसके अलावा टॉस का फैसला भी हमारे अनुकूल रहा। इसने वास्तव में हमारे लिए अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, हम उनके सामने कड़ी चुनौती पेश करना चाहते थे और शुरू में उन्हें झटका देना चाहते थे जिसमें हम सफल रहे। इसके साथ ही हमने बल्लेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया जो वास्तव में सबसे महत्वपूर्ण रहा। हमारे गेंदबाजों ने बहुत अच्छा खेल दिखाया। उनका इस तरह का प्रदर्शन देखकर बहुत अच्छा लगा। लैथम साल 2016 और 2021 के भारत दौरे में भी न्यूजीलैंड टीम में शामिल रहे थे। उन्होंने कहा कि टॉस ने भी कीवी टीम की सफलता में प्रमुख भूमिका निभाई। भारत ने पहले टेस्ट मैच में टॉस जीता था पर उसके बल्लेबाज अपनी पहली पारी में 46 रन ही बना पाये थे। लैथम का दूसरे टेस्ट मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला भी सफल रहा था। उनकी टीम के अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही थी।

धोनी उपलब्ध रहे तो जरुर रिटेन करेगी सीएसके : हरभजन

एजेंसी

मुम्बई । 2025 आईपीएल सत्र को लेकर सभी टीम अभी से अपनी योजनाएं बनाने लगी हैं। इसमें शामिल सभी फ्रैंचाइजियों के एक तय समय के अंदर उन खिलाड़ियों की सूची सौंपनी है जिन्हें वह रिटेन करेंगी। इसके अलावा किन खिलाड़ियों को मेगा नीलामी के लिए रिलीज किया जाएगा ये भी तय करना होगा। वहीं एक ओर जहां दिग्गज खिलाड़ी महेन्द्र सिंह धोनी के खेलने को लेकर संशय जाहिर किया जा रहा है। वहीं पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम इस बार भी धोनी को अपने पास

बनाये रखेगी। हरभजन ने धोनी के आईपीएल भविष्य पर अनिश्चितता व्यक्त की पर कहा कि अगर वह उपलब्ध रहते हैं तो वह सीएसके की पहली पसंद होंगे। हरभजन ने मेगा नीलामी 2025 से पहले धोनी के अलावा सीएसके टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़, ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, रचिन रवींद्र और तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को भी रिटेन किये जाने की उम्मीद जतायी है। गौरतलब है कि नये नियमों के तहत आईपीएल फ्रेंचाइजी अपनी टीम के कुल 6 खिलाड़ियों को बरकरार रख सकती हैं। छह रिटेंशन/आरटीएम में अधिकतम पांच कैप्ड खिलाड़ी (भारतीय और विदेशी) और अधिकतम 2 अनकैप्ड खिलाड़ी हो सकते हैं। वहीं हरभजन ने कहा कि मुझे धोनी के खेलने का भरोसा नहीं है पर अगर वह उपलब्ध हैं, तो वह निश्चित रूप से टीम की पहली पसंद होंगे, भले ही उन्हें इस सत्र में अनकैप्ड खिलाड़ी माना जाए पर इसके बाद, अगली पसंद रवींद्र जड़ेजा और फिर रचिन रवींद्र होंगे। जहां तक कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी बरकरार रखे जाएंगे।

पेरिस मास्टर्स नहीं खेल रहे जोकोविच

एजेंसी

पेरिस । सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच इस बार पेरिस मास्टर्स टेनिस टूनार्मेंट नहीं खेल रहे हैं। जोकोविच के नहीं खेलने के कारणों की जानकारी नहीं है। वहीं आयोजकों ने भी कहा है कि जोकोविच ने अपना नाम वापस ले लिया है पर उसके पीछे के कारण नहीं बताये हैं। जोकोविच ने पिछले सप्ताह ह्यसिक्स किंग्स स्लैम प्रदर्शनी टूनार्मेंट में भाग लिया था। सबसे लंबे समय तक विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर रहे इस सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा, ह्यमुझे उन प्रशंसकों के लिए दुख है जो मुझे वहां खेलते हुए देखना चाहते थे। वहां सात खिताब जीतने के दौरान पेरिस में मेरी कई अच्छी यादें हैं और उम्मीद है कि अगले साल में वहां वापसी करुंगा। जोकोविच ने पेरिस इनडोर टूनार्मेंट में रिकॉर्ड सात खिताब जीते हैं। उनके इसमें नहीं खेलने से साल के अंत में होने वाले एटीपी फाइनल्स के लिए उनके क्वालीफाई करने की संभावनाओं भी कम हुई हैं। एटीपी फाइनल्स में शीर्ष आठ खिलाड़ी शामिल होंगे। जोकोविच अभी एटीपी फाइनल्स की दौड़ में छठे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं जैनिक सिनर, कार्लोस अलकराज, अलेक्जेंडर ज्वेरेव और डेनियल मेदवेदेव ने 10 से 17 नवंबर तक होने वाली एटीपी फाइनल्स के लिए पहले ही क्वालीफाई कर लिया था।

एक सीरीज हारने से रणनीति नहीं बदल सकते : रोहित

एजेंसी

पुणे । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार को निराशाजनक बताया है पर कहा कि इससे कुछ निष्कर्ष नहीं निकाले जा सकते हैं न ही अपनी रणनीति बदली जा सकती है। उन्होंने कहा कि भविष्य को ध्यान में रखते हुए शांति से इस बारे में बात करनी होगी, किसी प्रकार का अलग तरीका अपनाना फायदेमंद नहीं रहेगा। न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट में भारत को हराकर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। रोहित ने कहा,ह्यकुछ खिलाड़ियों से शांत माहौल में बातचीत करने की जरूरत है। उन्हें यह बताना जरूरी है कि वे कहां है और टीम उनसे क्या उम्मीद रखती है। अब उनका लक्ष्य खिलाड़ियों को वास्तविकता से अवगत कराना है पर इस दौरान वह कोई विवाद नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि आपको उन्हें एक-एक करके टीम रूम में बिठाने, उनकी पारियों को देखने और उन्हें यह बताने की जरूरत है कि उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। रोहित ने कहा, केवल इसलिए कि हम एक सीरीज हार गए हैं तो हमें अलग तरह से बात करने या अलग तरीके अपनाने की जरूरत है।

ताइक्वांडो और कराटे का अभ्यास कर रही दीक्षा

गुरुग्राम। महिला गोल्फर दीक्षा डागर आजकल अपनी फिटनेस को बेहतरत बनाने में लगी हैं। इसी के तहत ही वह आजकल ताइक्वांडो और कराटे का अभ्यास कर रही है। दीक्षा कुछ समय पहले एक सड़के हादसे में घायल हो गयीं थी। उसके बाद से ही वह फिटनेस की समस्या से जूझ रही हैं। इससे उनके प्रदर्शन पर भी प्रभाव पड़ा है। दीक्षा ने कहा, मैं अपनी फिटनेस के साथ ताकत हासिल करने पर काम कर रही हूं। मैं इसके लिए कराटे सीख रही हूं और नियमित तौर पर जिम जा रही हूं। अपने पेशेवर करियर में तीन खिताब जीतने वाली दीक्षा ने कहा, ह्यह्य मैंने एक सुबह पार्क में जॉगिंग करते समय कुछ बच्चों को कराटे करते हुए देखा और फिर मैंने भी इसे सीखना शुरू कर दिया।

आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में उतर सकते हैं ऋषभ

एजेंसी

नई दिल्ली । आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के आईपीएल 2025 के लिए मेगा नीलामी में उतरने की संभावनाएं हैं। माना जा रहा है कि दिल्ली कैपिटल्स अब ऋषभ को कप्तान के तौर पर रिटेन नहीं करना चाहती है। सभी 10 टीमों को आने वाले दिनों में अपनी रिटेंशन लिस्ट जमा करनी हैं। ऐसे में सभी फ्रेंचाइजी अपनी सूची को अंतिम रुप देना चाहती हैं।

प्राप्त जानाकरी के अनुसार ऋषभ को प्रबंधन एक बार फिर कप्तान बनाने को लेकर स्पष्ट नहीं है। प्रबंधन इस मामले पर संशय में है।

ऋषभ साल 2016 से दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़े हुए हैं, लेकिन अब उनकी स्थिति स्पष्ट नहीं है। रिटेंशन लिस्ट जमा करने की समय सीमा के करीब आने के साथ, यह अटकलें तेज हो गई हैं कि उन्हें रिटेन नहीं किया जाएगा। वह हालांकि आईपीएल में सबसे चर्चित नामों में से एक हैं और उनकी टीम में भूमिका हमेशा अहम रही है। दिल्ली कैपिटल्स के प्रबंधन के लिए उनकाभविष्य तय करना एक बड़ा निर्णय होगा। इसका कारण है कि ये विकेटकीपर बल्लेबाज एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं। पंत के आईपीएल में प्रदर्शन को देखते हुए, कई फ्रेंचाइजी उनकी नीलामी में रुचि दिखा सकती हैं, खासकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), जो एक नए कप्तान की तलाश में हैं।

इसके अलावा, पंत के पूर्व कोच रिकी पोंटिंग के साथ उनके अच्छे संबंध भी चर्चा का विषय हैं हालांकि, पोंटिंग अब दिल्ली कैपिटल्स की जगह पर पंजाब किंग्स के कोच बन गए हैं, जिससे यह संभावना बढ़ गई है कि पंजाब भी इस क्रिकेटर को खरीदने के लिए बड़ी बोली लगा सकती है। ऐसे में ऋषभ को लेकर आने वाले दिनों में स्पष्टता मिलने की उम्मीद है। दिल्ली कैपिटल्स के प्रशंसक बेसब्री से इस निर्णय का इंतजार कर रहे हैं, जो टीम के भविष्य को प्रभावित कर सकता है।

घरेलू सीरीज में भारतीय टीम का हाल पाक जैसा

एजेंसी

पुणे । भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसर टेस्ट में मिली हार के बाद सीरीज 2-0 से उसके हाथ से निकल गयी है। भारतीय टीम को उसी प्रकार हार मिली है जिस प्रकार पाकिस्तान क्रिकेट टीम को बांग्लादेश से अपनी घरेलू धरती पर मिली थी। न्यूजीलैंड ने 35 साल पहले भारत में टेस्ट जीता था और लगातार दो टेस्ट जीतकर ना सिर्फ हार का सिलसिला खत्म किया बल्कि उसकी हालात पाकिस्तान टीम जैसी कर दी। अब भारतीय टीम पर क्लीन स्वीप का खतरा बढ़ गया है। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम का जैसा हाल बांग्लादेश के खिलाफ हुआ था वैसा ही कुछ विराट कोहली का न्यूजीलैंड के खिलाफ हुआ है। विराट भी इस सीरीज में बाबर की तरह ही अहम अवसरों पर रन नहीं बना पाये। जिस प्रकार आजम बांग्लादेश के खिलाफ पहली मैच में शून्य पर आउट हुए वैसे ही विराट भी कीवी टीम के खिलाफ खाता नहीं खोल पाये। बाबर बांग्लादेश के खिलाफ सिर्फ एक बड़ी पारी खेल पाए और उसके बाद रन बनाने के लिए तरसते दिखे। इसी प्रकार विराट भी सीरीज में केवल एक बार बड़ी पारी खेल पाये। पिछली चार पारी में वह 0, 70, 1, 17 रन बना पाये। न्यूजीलैंड की टीम ने भारत में पहली बार कोई टेस्ट सीरीज जीती और बांग्लादेश ने भी पाकिस्तान में पहली बार टेस्ट सीरीज में जीत दर्ज की।

विराट ने गुस्से में आईस बॉक्स पर मारा बल्ला

एजेंसी

पुणे । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ हुई सिरीज में पहले दोनो ही टेस्ट मैचों में असफल रहे और रन नहीं बना पाये। विराट कीवी टीम के स्पिनरों विशेषकर मिचेल सैंटनर के सामने टिक नहीं पाये। वह पहली पारी में फुल टॉस पर क्लीन बोल्ड हो गए। विराट सैंटनर की गेंद खेल नहीं पाये और आउट होने के बाद हताश होकर उन्होंने अपना बल्ला आईस बॉक्स पर दे मारा। विराट के खराब प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम सीरीज के दोनो ही मैचों में रन नहीं बना पायी और उसे हार का सामना करना पड़ा। इस दौरे पर ना सिर्फ मेहमान टीम ने 35 साल बाद भारत में आकर पहली टेस्ट जीत हासिल की बल्कि पहली बार भारत को उसी के घर पर टेस्ट सीरीज में हराने में सफलता की। सैंटनर ने दूसरे टेस्ट में कुल 13 विकेट लेकर भारतीय बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया। उन्होंने दोनों पारी में विराट को आउट किया। विराट इस सीरीज में एक बार ही अर्धशतक लगा पाये और बाकि मैचों में वह रन नहीं बना पाये। विराट पिछली चार पारी में 0, 70, 1, 17 रन ही बना पाये।

ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे दौरे के लिए पाकिस्तान टीम की घोषणा

एजेंसी

लाहौर। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज में 2-1 से जीत दर्ज करने के बाद पाकिस्तान की टीम को अगले महीने सीमित ओवरों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया और उसके बाद जिम्बाब्वे का दौरा करना है। ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान टीम को तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलने हैं। इस दौरे की शुरूआत 4 नवंबर से होगी। इसके बाद पाकिस्तान की टीम जिम्बाब्वे जाएगी, जहां उसे 3 वनडे और इतने ही टी20 मैच खेलने हैं। दोनों दौरों के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को टीम का ऐलान कर दिया है। हालांकि दौरे के लिए चुनी गई टीम के साथ कप्तान के नाम का ऐलान अभी नहीं किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट के चयनकताओं ने दोनों दौरे लिए कई युवा खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है। वहीं अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम के साथ नसीम शाह और शाहीन शाह अफरीदी, जिन्हें इंग्लैंड के खिलाफ पिछले दो टेस्ट मैचों से ब्रेक दिया गया था, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैचों के लिए वापस आ गए हैं, लेकिन उन्हें जिम्बाब्वे दौरे के लिए आराम दिया जाएगा। इसी तरह, मोहम्मद रिजवान को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दोनों सीरीज और जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन उन्हें जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 मैचों से आराम दिया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए

वनडे टीमः आमिर जमाल, अब्दुल्ला शफीक, अराफात मिन्हास, बाबर आजम, फैसल अकरम, हारिस रऊफ, हसीबुल्लाह (विकेटकीपर), कामरान गुलाम, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, सईम अयूब, सलमान अली आगा, शाहीन शाह अफरीदी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टी20 टीमः अराफात मिन्हास, बाबर आजम, हारिस रऊफ, हसीबुल्लाह (विकेटकीपर), जहांदाद खान, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, ओमैर बिन यूसुफ, साहिबजादा फरहान, सलमान अली आगा, शाहीन शाह अफरीदी, सुफियान मोकिम, उस्मान खान।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए वनडे टीमः आमिर जमाल, अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, अहमद दनियाल, फैसल अकरम, हारिस रऊफ, हसीबुल्लाह (विकेटकीपर), कामरान गुलाम, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मुहम्मद इरफान खान, सईम अयूब, सलमान अली आगा, शाहनवाज दहानी और तैय्यब ताहिर।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए टी20 टीमः अहमद दनियाल, अराफात मिन्हास, हारिस रऊफ, हसीबुल्लाह (विकेटकीपर), जहांदाद खान, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद हसनैन, मुहम्मद इरफान खान, ओमैर बिन यूसुफ, कासिम अकरम, साहिबजादा फरहान, सलमान अली आगा, सुफियान मोकिम, तैय्यब ताहिर और उस्मान खान।

जापान में महिलाओं के टोओलू विश्वकप में भाग लेती हुई चीन की वू जियांनिग।

दोस्तों, दुनियाभर में कई ऐसे विशालकाय जीव हैं, जिनके बारे में जानने की इच्छा हम सभी को होती है। इनमें से धरती पर मौजूद जीवों के बारे में तो ज्यादातर लोगों को आसानी से सुनने और पढ़ने को मिल जाता है, लेकिन समुद्री जीवों के बारे में बहुत कम लोगों को ही पता है। इस बार हम आपको ऐसे 12 समुद्री जीवों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो विशालकाय होने के कारण लोगों को आकर्षित करते हैं। इनमें से किसी का वजन 2 लाख किलो के बराबर है तो किसी का वजन 9 सौ किलो के बराबर। हालांकि, लोग इन जीवों के करीब जाने से भी डरते हैं।

जीव- विशालकाय स्क्वीड
लंबाई- 59 फीट, वजन- 900 किलो

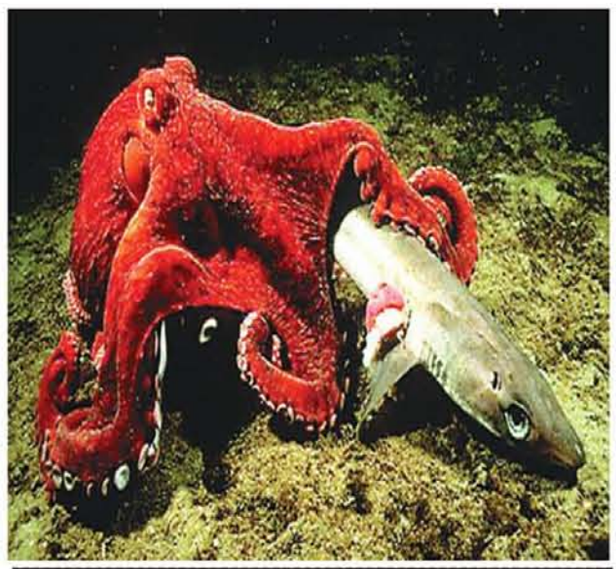

समुद्र के विशालकाय जीव लाखों और हजारों किलो में है इनका वजन

जीव- विशालकाय पैसिफिक ऑक्टोपस
लंबाई- 30 फीट
वजन- 272 किलो

ब्लू व्हेल

ब्लू व्हेल को धरती का सबसे विशाल जीव माना जाता है। इसका वजन लगभग 200 टन यानी 1 लाख 81 हजार किलो होता है। यह 98 फीट चौड़ी होती है। गर्मी के मौसम में ब्लू व्हेल 4 करोड़ क्रील खा जाती है। क्रील एक छोटा जलीय जीव है।

जीव- फिनबैक व्हेल, लंबाई- 89.5 फीट
वजन- 74 टन (लगभग 67132 किलो)

जीव- विशालकाय समुद्रीय मानटा रे
लंबाई- 30 फीट, वजन- 1350 किलो

जीव- एलिफेंट सील
लंबाई- 20 फीट, वजन- 4000 किलो

जीव- स्पर्म व्हेल
लंबाई- 67 फीट
वजन- 907 किलो

जीव- विशालकाय ओवरफिश
लंबाई- 36 फीट, वजन- 270 किलो

जीव- व्हाइट शार्क
लंबाई- 21 फीट, वजन- 3324 किलो

जीव- लायंस मेन जेलीफिश
लंबाई- 7 फीट 6 इंच
वजन- 907 किलो

जीव- विशालकाय क्लाम
लंबाई- 4 फीट
वजन- 227 किलो

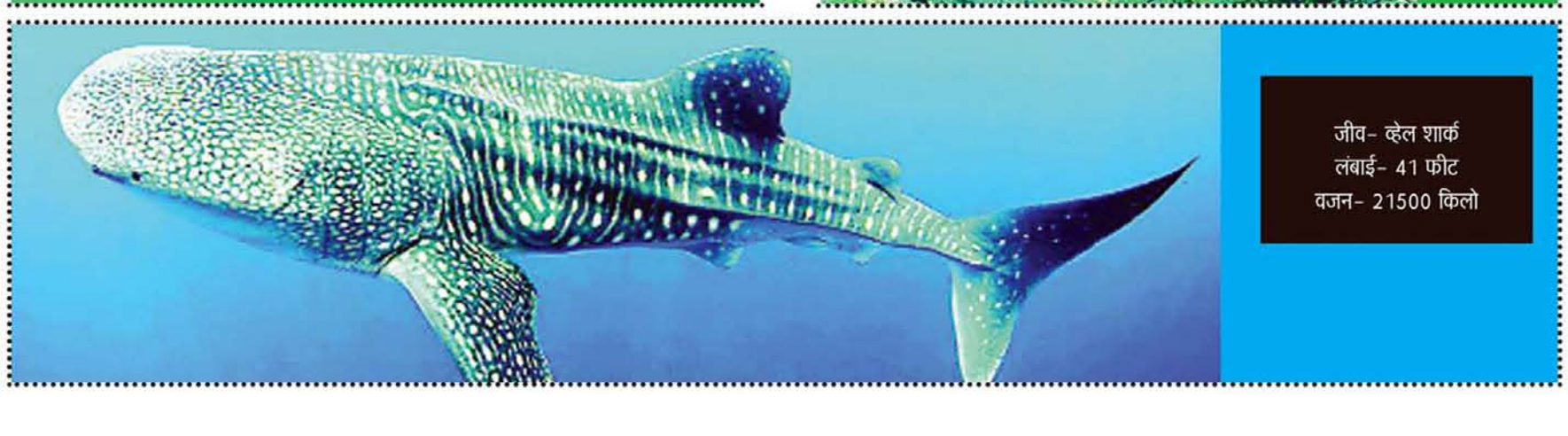

जीव- व्हेल शार्क
लंबाई- 41 फीट
वजन- 21500 किलो

तरह-तरह के कैलेंडर

दुनिया भर में एक जनवरी को मनाया जाने वाला नववर्ष दरअसल ग्रेगोरियन कैलेंडर पर आधारित है। दुनिया भर में तमाम कैलेंडर हैं और हर कैलेंडर का नया साल अलग-अलग होता है। भारत में ही करीब 50 तरह के कैलेंडर (पंचांग) हैं, जिनमें कई का नया साल अलग-अलग दिन होता है।

ग्रेगोरियन कैलेंडर

यह दुनिया भर में प्रचलित कैलेंडर है, जिसे पोप ग्रेगोरी तेरहवें ने 1582 में तैयार किया था। ग्रेगोरी ने इसमें लीप ईयर का प्रावधान किया था। इसके तहत एक जनवरी से नए साल की शुरुआत होती है।

भारत के नए साल

भारत में विक्रम संवत, शक संवत, हिजरी संवत, फसली संवत, बांग्ला संवत, बौद्ध संवत, जैन संवत, खालसा संवत, तमिल संवत, मलयालम संवत, तेलुगू संवत आदि तमाम साल प्रचलित हैं।

विक्रम संवत

माना जाता है कि विक्रम संवत, गुप्त सम्राट चंद्रगुप्त विक्रमादित्य ने उज्जयिनी में शकों को पराजित करने की याद में शुरू किया था। यह संवत 58 ईसा पूर्व शुरू हुआ था। विक्रम संवत चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शुरू होता है।

शक संवत और राष्ट्रीय संवत

शक सवंत को शालिवाहन शक संवत के रूप में भी जाना जाता है। माना जाता है कि इसे शक सम्राट कनिष्क ने 78 ईस्वी में शुरू किया था। स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने शक संवत में मामूली फेरबदल करते हुए इसे राष्ट्रीय संवत के रूप में अपना लिया। राष्ट्रीय संवत का नव वर्ष 22 मार्च को होता है, जबकि लीप ईयर में यह 21 मार्च होता है।

रोमन कैलेंडर/जूलियन कैलेंडर

रोमन कैलेंडर को सबसे पहला माना जाता है। पारंपरिक रोमन कैलेंडर का नववर्ष मार्च से शुरू होता है।

हिजरी कैलेंडर

इस्लाम धर्म के कैलेंडर को हिजरी साल के नाम से जाना जाता है। इसका नववर्ष मोहर्रम माह के पहले दिन होता है।

चीनी कैलेंडर

पड़ोसी देश चीन का भी अपना अलग कैलेंडर है। इसका नया साल 21 जनवरी से 21 फरवरी के बीच पड़ता है।

ग्रेगोरियन कैलेंडर
कुछ रोचक बातें

दोस्तों, 1 जनवरी ग्रेगोरियन कैलेंडर का पहला दिन होता है। वर्ष 1582 में पोप ग्रेगोरी 13वें ने जूलियन कैलेंडर में सुधार करते हुए 1 जनवरी को नए साल की शुरुआत का दिन तय किया। पेश हैं इस बारे में कुछ रोचक बातें

- नए साल का धार्मिक महत्व भी है, इसलिए कई देशों में इस दिन अवकाश रहता है। असल में 1 जनवरी ईसा मसीह के जन्म के आठवें दिन होने वाले एक संस्कार का दिन भी है।
- दुनिया में सबसे पहले समोआ द्वीप पर नया साल आता है। वहां भारतीय समयानुसार बुधवार दोपहर 3.30 बजे से ही 2015 की शुरुआत हो जाएगी।
- इसके बाद न्यूजीलैंड के चथाम द्वीप में भारतीय समयानुसार बुधवार 3.45 बजे से नए साल के समारोह शुरू होंगे। इसके बाद रूस और ऑस्ट्रेलिया में नए साल का उत्सव शुरू होगा।
- सबसे अंत में अमेरिका के एक छोटे से इलाके बेकर आइलैंड में नया साल आता है।
- ऐसा माना जाता है कि नए साल पर रिजॉल्यूशन करने का चलन 2600 ईसा पूर्व में ही बेबीलोनिया में शुरू हो गया था।
- इटली में नए साल पर चर्च की घंटियां बजाई जाती हैं, स्विट्जरलैंड में ड्रम बजाए जाते हैं और उत्तर अमेरिका में सायरन बजाए जाते हैं।
- स्पेन के लोग नए साल पर 12 अंगूर खाते हैं ताकि साल के 12 महीने उनके लिए लकी रहें। बेल्जियम में बच्चे नए साल की शुरुआत पर अपने पेरेंट्स को खास लेटर लिखते हैं।
- ग्रीक में नए साल के अवसर पर लोग अपने दरवाजे पर प्याज लटकाते हैं। इसे सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। डेनमार्क में लोग नए साल के अवसर पर बड़ा सा केक काटते हैं।
- जापान के लोग ऐसा मानते हैं कि इस दिन नव वर्ष के देवता धरती पर आते हैं। इस दिन बौद्ध मंदिरों में तोशिगामी देवता के स्वागत के लिए 108 बार घंटियां बजाई जाती हैं।
- एस्टोनिया में लोग नव वर्ष की पूर्व संध्या पर 12 बार खाना खाते हैं। अर्जेंटीना में लोग नव वर्ष की पूर्व संध्या पर बीन्स खाते हैं जो अगले वर्ष में कॅरियर के लिए भाग्यशाली माना जाता है।
- दुनिया में ज्यादातर जगहों पर लोग नए साल की पूर्व संध्या पर पार्टियां करते हैं, क्लबों में जाते हैं और चौराहों पर जमा होकर हंगामा करते हैं।

प्रियंका चोपड़ा को याद आ रहा बॉलीवुड!

वापसी को लेकर दिया हिंट

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपनी पहचान हॉलीवुड तक बनाई है। 'देसी गर्ल' के नाम से मशहूर अभिनेत्री ने अमेरिकी गायक निक जोनस से शादी की और विदेश जाकर बस गईं। हालांकि, वह अक्सर भारत दौरे पर आती रहती हैं। अभिनेत्री हाल ही में अपने मेकअप ब्रांड मैक्स फैक्टर के लॉन्च के लिए मुंबई, भारत में थीं। प्रियंका को आखिरी बार 2019 में फरहान अख्तर के साथ बॉलीवुड फिल्म 'द स्काई इज पिंक' में देखा गया था।

बॉलीवुड में वापसी का दिया हिंट

अपने भारत दौरे के दौरान उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें स्लो-मोशन डांसिंग की याद आती है। फोर्ब्स से बात करते हुए, प्रियंका ने कहा, 'मुझे हिंदी में नाचना, गाना और बोलना या किसी दूसरी भाषा में बोलना बहुत याद आता है। मुझे स्लो-मोशन डांसिंग की याद आती है। मैं सभी से कह रही हूं, मेरे पास कुछ सही लेकर आओ। मैं बहुत सारी स्क्रिप्ट का आकलन कर रही हूं और मुझे उम्मीद है कि मैं जल्द ही कुछ तय कर लूंगी।

हॉलीवुड और बॉलीवुड के बीच बताया अंतर

इसके अलावा, प्रियंका चोपड़ा ने हॉलीवुड और बॉलीवुड के बीच के अंतर पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड में लोगों के पास बहुत सारे जुगाड़ होते हैं और काम करवाने का रवैया होता है। उन्होंने कहा, हम इसे लेकर थोड़े रोमांटिक हैं, जैसे अरे हो जाएगा, कर लेंगे, इसलिए यह काम करने का एक बहुत ही अलग तरीका है। मुझे लगता है कि हमारी रचनात्मकता कभी-कभी बहुत ही ऑर्गेनिक हो सकती है। यही सबसे बड़ा अंतर है जो मैंने देखा है। नहीं तो दुनिया भर में फिल्म निर्माण एक ही भाषा बोलता है।

हॉलीवुड में कागजी काम ज्यादा होते हैं

अभिनेत्री ने साझा किया कि हर देश सामान्य रूप से अलग है और हर किसी की अपनी सांस्कृतिक चीजें हैं। उन्होंने कहा कि हॉलीवुड और बॉलीवुड के बीच सबसे बड़ा अंतर यह है कि हॉलीवुड में लोगों को बहुत सारे कागजी काम करने पड़ते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रियंका अगली बार 'हेड्स ऑफ स्टेट' और 'द ब्लफ' में नजर आएंगी।

प्रभास संग अपकमिंग फिल्म में दिखेंगी पाकिस्तानी एक्ट्रेस सजल!

प्रभास की अपकमिंग फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस सजल नजर आ सकती हैं। बताया जाता है कि सजल को श्रीदेवी अपनी तीसरी बेटी मानती थीं। उन्होंने साल 2017 में बॉलीवुड में कदम रखा था और उसके बाद से पाकिस्तानी कलाकारों पर बॉलीवुड की तरफ से बैन लग गया था।

प्रभास के साथ दिखेंगी?

खबर है कि प्रभास की अपकमिंग फिल्म में श्रीदेवी की तीसरी बेटी सजल नजर आनेवाली हैं। सजल पाकिस्तानी एक्ट्रेस हैं और वो श्रीदेवी के साथ फिल्म में नजर आ चुकी हैं। लंबे समय बात पाकिस्तानी एक्टर्स बॉलीवुड में काम करने को लेकर खबरों में हैं। सजल ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत करीब 8 साल पहले साल 2017 में की थी। श्रीदेवी की फिल्म मॉम में सजल उनकी बेटी की भूमिका में नजर आई थीं।

सजल प्रभास की अपकमिंग फिल्म फौजी में दिखेंगी?

रिपोर्ट के मुताबिक, सजल जल्द ही प्रभास की अपकमिंग फिल्म फौजी में दिखेंगी। बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन हनु राघवापुडी करने जा रहे हैं। हालांकि, इस फिल्म में प्रभास के साथ सजल होंगी, इसे एक पाकिस्तानी मैगजीन ने ही कन्फर्म किया है। न तो एक्टर्स और न ही मेकर्स की तरफ से इस बारे में अभी तक कुछ भी कहा गया है।

सजल को क्यों कहा जाता है श्रीदेवी की तीसरी बेटी

इस फिल्म की कहानी की बात करें तो फौजी भारत की आजादी से पहले की कहानी होगी। ये कहानी युद्ध के दौरान की एक खूबसूरत लव स्टोरी है। बता दें कि फिल्म मॉम में सजल दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी और अदनान सिद्दीकी के साथ नजर आई थीं। श्रीदेवी की तीसरी बेटी उन्हें इसलिए कहा जाता है कि क्योंकि फिल्म में दोनों का जो बॉन्ड था वो कमाल तो था ही, ऑफस्क्रीन भी वो मां-बेटी की तरह ही रहती थीं।

जल्द शादी करने वाले हैं यारियां फेम हिमांश कोहली?

बॉलीवुड इंडस्ट्री में अभिनेता हिमांश कोहली का सफल बहुत लंबा नहीं रहा है। लेकिन, इसके बावजूद भी अभिनेता को यारियां फिल्म से खूब लोकप्रियता हासिल की थी। अब खबर आ रही है कि हमसे है लाइफ और यारियां में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर अभिनेता हिमांश कोहली 12 नवंबर को शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, हेमांश की होने वाली जीवनसाथी बॉलीवुड से नहीं हैं। अभिनेता दिल्ली में एक मंदिर में शादी करने की योजना बना रहे हैं, और उनके दोस्त और परिवार समारोह की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह एक अरेंज-कम-लव मैरिज है और दुल्हन लाइमलाइट से दूर रहना चाहती है। हिमांश ने अपनी शादी का जोड़ा डिजाइन करने के लिए डिजाइनर कुणाल रावल को चुना है। अभिनेता की शादी एक निजी समारोह में होगी जिसमें केवल उनके परिवार और करीबी दोस्त ही शामिल होंगे। हेमांश ने 2014 से 2018 तक नेहा कक्कड़ को डेट किया और उनके ब्रेकअप के बाद वह पूरी तरह से लाइमलाइट से दूर हो गए थे। उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि यह उनकी तरफ से कोई खराब ब्रेकअप नहीं था, लेकिन जब अटकलें शुरू हुईं, तो सब कुछ खराब हो गया था।

बार-बार अभिनय से ब्रेक लेने पर काजोल की राय

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं। काजोल ने अपने शानदार फिल्मी करियर में कई हिट फिल्में दी हैं। हालांकि, उन्होंने अपने परिवार और बच्चों को अभिनय से ज्यादा प्राथमिकता दी, जिसकी वजब से उन्हें कई बार अभिनय से दूर लंबे ब्रेक भी लिए हैं। एक इंटरव्यू के दौरान काजोल ने अभिनय से ब्रेक लेने के बारे में खुलकर बात की और खुद को सबसे कम काम करने वाली अभिनेत्री बताया।

कम काम करने वाली अभिनेत्री में से हूं

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान काजोल ने कहा, अगर आप मेरी फिल्मोग्राफी देखें, तो मैं शायद सबसे कम काम करने वाली अभिनेत्री में से हूं। मेरी मां (दिग्गज अभिनेत्री तनुजा) और दादी (दिवंगत निर्देशक और अभिनेत्री शोभना समर्थ) ने हमेशा मुझसे कहा कि काम आपके जीवन का एक हिस्सा है, न कि आपका पूरा जीवन। मैंने ब्रेक लिया। मैं शादी करना चाहती थी और बच्चे पैदा करना चाहती थी। शुक्र है कि मैं अभी भी काम कर रही हूं और मैं अभी भी बेहद खुश हूं। आगे काजोल ने मजाकिया अंदाज में कहा, मैं अब तक अच्छा अनुभव रखने के लिए सभी की आभारी हूं।

कब काम करना चाहती हैं

काजोल ने आगे यह भी कहा, मुझे अभिनय विरासत में नहीं मिली। यह हर महिला का काम है। नरगिस, शर्मिला टैगोर की कोई विरासत नहीं थी। मैं आज जो कुछ भी हूं, वह मेरे वंश की वजह से नहीं है। यह हर उस महिला की विरासत है, जिसने काम किया है। हर महिला को यह फैसला लेना होता है कि अब मैं ब्रेक लूंगी और अगर मैं वापस आना चाहती हूं, तो मैं वापस आऊंगी और अगर वह चाहेगी तो ऐसा कर पाएगी।

दो पत्ती फिल्म में पुलिस अधिकारी की भूमिका में आएंगी नजर

वैसे इन दिनों काजोल अपनी आगामी फिल्म दो पत्ती को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म में काजोल के साथ कृति सेनन भी नजर आएंगी। कृति की बतौर निर्माता यह पहली फिल्म है तो वहीं शहीर शेख की बॉलीवुड में पहली फिल्म है। इस फिल्म में काजोल एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। यह फिल्म एक सीधी-सादी पुलिस अधिकारी को जुड़वां बहनों की कहानी है।

25 अक्तूबर को होगी रिलीज

काजोल और कृति सेनन की आगामी थ्रिलर फिल्म दो पत्ती 25 अक्तूबर को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर के लिए तैयार है। इसके अलावा उनके पास कई आगामी प्रोजेक्ट शामिल हैं, जिनमें इब्राहिम अली खान के साथ सरजमीन और महारानी - क्वीन ऑफ क्वींस शामिल हैं, जिसमें वह प्रभु देवा और नसीरुद्दीन शाह के साथ अभिनय करेंगी।

दुबई में दिवाली मनाएंगी प्रियंका चोपड़ा की बहन मन्नारा

बिग बॉस 17 प्रतियोगी और ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस की कजिन मन्नारा चोपड़ा भारत में नहीं दुबई में दिवाली मनाएंगी। जश्न ए दिवाली विदेश में मनाने की खबर उन्होंने सबको इंस्टाग्राम पर सुनाई। स्टोरीज सेक्शन में दुबई वाली खुशी जाहिर की। पहले में वो फ्लाइट में हैं और उनके हाथ में टिकट टू दुबई है। दूसरे क्लिप में शॉर्ट ड्रेस में स्टाइलिश अंदाज में कार में बैठती देखी जा सकती हैं। अपने उत्साह को शब्दों में भी पिरोया है लिखा है- आपके बालों में सोना, आपकी ड्रेस में सफेदी, आपके दिल में मुस्कान, बस यही तरीका है जिसे लेकर आप आगे बढ़ते हैं। इसके बाद उन्होंने दुबई में म्यूजियम ऑफ द फ्यूचर की एक वीडियो शेयर की। तीसरे क्लिप में वो लिफ्ट में हैं और कैप्शन दिया है- लॉन्ग ड्राइव्स और कार में चाय लेकिन ये सब कुछ इस दिवाली दुबई में। मन्नारा साउथ फिल्म इंडस्ट्री का जाना पहचाना नाम हैं। उन्होंने 40 विज्ञापनों में काम भी किया है। स्ट्रगल भी खूब किया है। अपने अभिनय से पहले उन्होंने एक फैशन डिजाइनर और सहायक कोरियोग्राफर के रूप में काम किया, जहां उन्होंने हिप हॉप और बेली डांसिंग जैसे डांसिंग स्टाइल्स का प्रशिक्षण लिया। यह 2014 की बात है, जब मन्नारा ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा और तेलुगु, तमिल, हिंदी और कन्नड़ फिल्मों में काम किया। उन्होंने श्रीराम चंद्रा के साथ 2014 की तेलुगु फिल्म प्रेमा गीमा जनथा नाई से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। अनुभव सिन्हा की जिद से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया, जिसमें उनके साथ करणवीर शर्मा थे। 2015 में, चोपड़ा ने दो तमिल फिल्मों संदामरुथम और कावल के एक गाने में विशेष भूमिका निभाई थी। मन्नारा ने थिक्का में साई धर्म तेज के साथ मुख्य भूमिका भी निभाई। 2017 में उन्होंने कन्नड़ फिल्म रॉग से डेब्यू किया। 2023 में, वह रियलिटी शो बिग बॉस 17 में दिखाई दीं, जो उनका हिंदी टेलीविजन डेब्यू था। वह दूसरी रनर-अप रहीं।

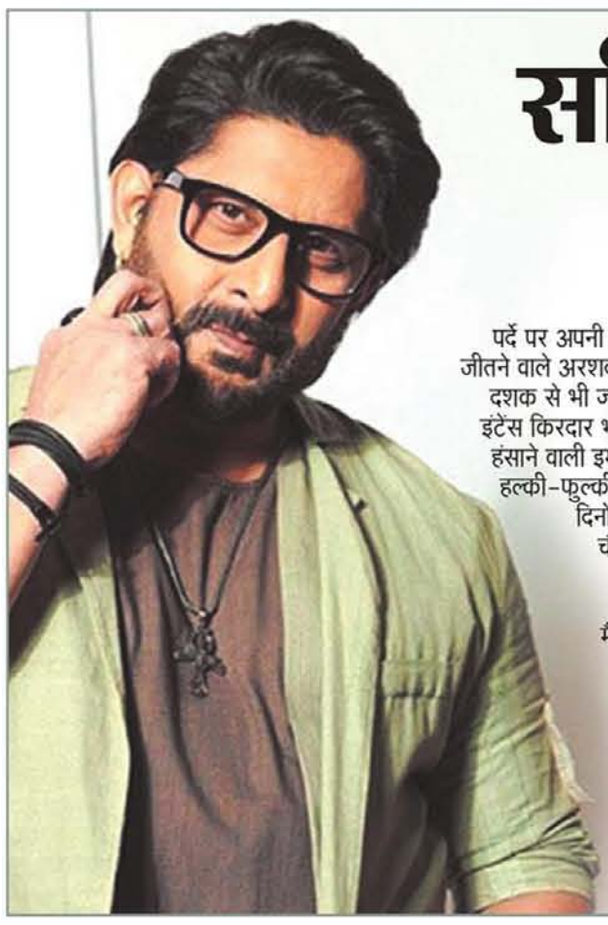

सर्किट के रोल के लिए हां करना करियर का मुश्किल दौर था

पर्दे पर अपनी कॉमिक भूमिकाओं से दर्शकों का दिल जीतने वाले अरशद वारसी को बॉलिवुड में तकरीबन ढाई दशक से भी ज्यादा का समय हो गया है। उन्होंने कई इंटेंस किरदार भी किए, मगर दर्शकों के मन में उनकी हंसाने वाली इमेज ही पक्की रही है। बासु चटर्जी टाइप हल्की-फुल्की कॉमिडी करने के इच्छुक अरशद इन दिनों चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म बंदा सिंह चौधरी से, जिसमें वे एक नए अवतार में दिखेंगे। उनसे एक खास बातचीत।

आप इतना चुनिंदा काम क्यों करते हैं?

मैं क्या करूं? जब तक किसी चीज को दिल से करने की आवाज नहीं निकलती, मैं नहीं करना चाहता। मेरे पास ऐसी बकवास -बकवास स्क्रिप्ट्स आती हैं कि दिल उचाट हो जाता है। मैं महज पैसों के लिए फिल्म नहीं करता। अभी जो मैंने फिल्में की हैं, वो अच्छी हैं, जिसमें ऑडियंस को मजा आएगा। जैसे ये फिल्म बंदा सिंह चौधरी, तिग्मांशु धूलिया की फिल्म घमासान है, फिर जॉली एलएलबी 3 आएगी, तो अच्छी फिल्में आएंगी, बस मैं अपनी फिल्मों को लेकर ज्यादा शोर नहीं मचाता।

आपकी नई फिल्म साहस की कहानी है, असल जिंदगी में आपने ऐसा कुछ काम किया है, जो करेजियस हो?

कई बार। एक तो गोलमाल के सेट पर हुआ था। हम लोग बैंकॉक में जेट स्की पर शूटिंग कर रहे थे। मैं जेट स्की चलाने में माहिर हूं और उस दिन मैं अपने क्रू को समंदर में जेट स्की का राउंड दिला रहा था। मेरे कैमरामैन ने कहा, सर आप जो स्किट कर रहे थे, वो कीजिए न। मैंने उससे कहा, वो स्किट बहुत रिस्की है, मगर वो बहुत आग्रह करने लगा। मैंने वो स्किट की, मगर उस दौरान कैमरामैन की ग्रिप छूट गई और वो जेट स्की से उड़ कर पानी में जा गिरा, मगर उसने मुझे भी पानी में गिरा दिया।

आपने सहर, इश्किया, द लीजेंड ऑफ माइकल मिश्रा और असुर जैसी कई फिल्मों और सीरीज में इंटेंस भूमिकाएं भी की, मगर आपकी कॉमिक इमेज हमेशा हावी रही है। क्या कहेंगे?

अब लोगों को वही ज्यादा पसंद आता है। लोग दुख की कहानियों को पसंद नहीं करते। उन्हें हंसना पसंद है। हालांकि मुझे कॉमिडी हो या इंटेंसिटी, मैं हमेशा अच्छे किरदारों से जुड़ना चाहता हूं। घटिया कॉमिडी से हमेशा बचता हूं। सच कहूं, तो मैं ऋषिकेश मुखर्जी की चुपके चुपके और चश्मे बद्दूर टाइप पारिवारिक कॉमिडी करने की इच्छा रखता हूं। मगर उस तरह की फिल्में कोई बना नहीं रहा। उन फिल्मों में जो स्लाइस ऑफ लाइफ की कॉमिडी निकल कर आती थी न, उसकी बात ही कुछ और होती है। मैंने जो भी कॉमिडी की है, वो ओवर द टॉप की है।

आपके करियर का मुश्किल दौर क्या था?

ये मैंने आज तक तक किसी से नहीं कहा, मगर आज कहता हूं। मुन्ना भाई एमबीबीएस का सर्किट के रोल का जो दौर था, वो मेरे करियर का सबसे मुश्किल दौर था, क्योंकि तब तक मैं फिल्मों में फर्स्ट या सेकंड लीड कर रहा था और मुन्ना भाई में मुझे जो भूमिका दी गई वो एक गुंडे की थी, जो एक तरह से हीरो के पांच मुस्टंडों में से एक था। उस दौर में उस रोल के लिए हामी भरना मेरे लिए बहुत मुश्किल था, मगर उस रोल के बाद सब कुछ बदल गया। सर्किट का वो मामूली-सा रोल आइकॉनिक बन गया।

बंदा सिंह चौधरी का हिस्सा बनने का कारण क्या रहा?

हम पर्दे पर अक्सर उन लोगों की फिल्में बनाते हैं, जो हीरोइक अंदाज मारधाड़ करते हैं, मगर हम करेज दिखाने वाले नायक की फिल्में काम ही दिखाते हैं। इसमें मुझे वो बात नजर आई कि एक आम-सा आदमी, जो एक नॉर्मल जिंदगी जी रहा है, इस पर जब टूट पड़ती है, तब वो क्या करेगा, क्योंकि ये तो मारधाड़ करने वाला बंदा है नहीं, तो मुझे लगा कि कहीं न कहीं ये हर आम इंसान की कहानी है। ऊपरवाला हम सभी को शारीरिक रूप से एक अलग बनाता है। मगर एक कॉमन चीज वो हम सभी में देता है और वो है, साहस। बस देखने वाली बात ये होती है कि उस साहस का इस्तेमाल कौन कब कर पाता है? तब इंसान का कद और ओहदा पता चलता है।

आप इस बात से चकित नहीं हुए कि फिल्म के निर्माता अरबाज खान ने खुद के बजाय इस फिल्म के लिए आपको कास्ट किया?

नहीं, बिलकुल नहीं ,अरबाज बहुत प्यारा इंसान है और मैं उसे एक लंबे अर्से से जानता हूं, तो मुझे लगता है कि निर्माता के रूप में अगर मैं भी उसकी जगह होता, तो जो सही कास्टिंग होती, वही करता। किसी भी फिल्म के लिए सही कास्टिंग होना जरूरी होता है। जॉली एलएलबी का भी यही तो हुआ। इस फिल्म के लिए निर्देशक सुभाष कपूर मुझे ही चाहते थे, मगर मैं उन्हें मिल नहीं पा रहा था, मेरी डेट्स का भी मसला था। फिर वो दस अलग आर्टिस्ट से मिले, मगर बात नहीं बानी। फिर उसे स्टार प्लस का आलिफ मिला।

ऑपरेशन प्रहार के तहत 300 बदमाशों पर कसी नकेल

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट ने ऑपरेशन प्रहार के तहत लूटपाट और महिला संबंधित अपराध करने वाले करीब 300 अपराधियों के यहां छापेमारी कर उनका सत्यापन किया। 25 टीमें बनाकर 250 पुलिसकर्मी इस कार्रवाई में लगे हुए थे। पुलिस ने 40 अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की है।

पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नर द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत 2 दिन पूर्व नशे के कारोबार करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई थी, तथा दर्जनों लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन प्रहार के तहत नोएडा पुलिस ने लूटपाट करने वाले और महिला संबंधित अपराधों को कारित करने वाले करीब 300 अपराधियों के यहां सघन तलाशी ली। उनका सत्यापन किया तथा 40 अपराधियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ है। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई में 250 पुलिस कर्मियों को लगाया गया था। 25 टीमें में बनाई गई थी। उन्होंने बताया कि नोएडा पुलिस का यह अभियान आगे भी जारी रहेगी। उनके अनुसार विभिन्न प्रकार के संगठित अपराध करने वालों के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है।

मकानों में अवैध रूप से रखे मांस पर बवाल

पशु चिकित्सकों की टीम ने सैंपल भेजे प्रयोगशाला

नोएडा (चेतना मंच)। शर्मा कॉलोनी ग्राम कुलेसरा मे एक

मकान मे मांस अवैध रूप से रखा हुआ है। उक्त सूचना पर थाना इकोटेक-3 पुलिस द्वारा मौके पर जाकर जांच की गयी तो पाया कि राशिद अंसारी पुत्र शौकत अंसारी नि0 मोहनराम वाली गली, शर्मा कॉलोनी कुलेसरा थाना इकोटेक 3 गौतमबुद्धनगर का मांस बेचने के लाईसेन्स की अवधि कुछ महीने पहले समाप्त हो गयी है जिसे उसके द्वारा नवीनीकरण नही कराया गया है। पूर्व की अनुमति कुलेसरा स्थित आवास पर ही थी । रशीद द्वारा यह मांस तुर्कमान गेट के पास जाकिर हुसैन कॉलोनी के पास दिल्ली में बेचा जाता है और डिलाइट सिनेमा के पास वाले मार्केट से जो कि दिल्ली में है वहीं से ही खरीदा भी जाता है।

राशिद अंसारी द्वारा FSSAI से अपने घर पर मांस के भण्डारण/बेचने की अनुमति ली गयी थी किन्तु वह अनुमति पिछले वर्ष समाप्त हो चुकी है। इस वर्ष अनुमति नही मिली। राशिद अंसारी मौके पर पशु चिकित्सक टीम को बुलाकर मांस मे से सैम्पल एकत्रित कर प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। प्रथम दृष्टया उक्त मांस महीश वंश का प्रतीत हो रहा है जिसमें 2 किलो के 15 से 20 पैकेट्स हैं। उक्त प्रकरण मे अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक व वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। मौके पर शांति एंव कानून व्यवस्था कायम है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड बैठक

10 फीसदी भुगतान पर बिल्डर-बायर का एग्रीमेंट अनिवार्य

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बोर्ड बैठक में बड़े फैसले किए हैं।

प्राधिकरण के इस फैसले के मुताबिक, फ्लैट खरीदार की तरफ से ग्रेटर नोएडा में 10 फीसदी भुगतान करने पर बिल्डर-बायर एग्रीमेंट को रजिस्टर्ड कराना अनिवार्य होगा।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि रविवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन व प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में 136वीं बोर्ड बैठक संपन्न हुई। जिसमें फ्लैट-खरीदारों व निवासियों के हित में काफी अहम फैसले लिए गए। इन फैसलों में एग्रीमेंट टू सेल को रजिस्टर्ड कराना भी शामिल है। बता दें कि ग्रेटर नोएडा के फ्लैट बायर्स की ओर से ये मांग की जा रही थी कि, खरीदार की तरफ से 10 फीसदी भुगतान करने पर बिल्डर और बायर के बीच होने वाले एग्रीमेंट को रजिस्टर्ड कराने की अनुमति प्रदान की जाए, जिससे बायर्स के पास एक लीगल डॉक्यूमेंट हो सके। एग्रीमेंट टू सेल के समय ही खरीदार को स्टांप ड्यूटी का पूरा भुगतान करना होगा। बाद में फ्लैट पर पजेशन मिलते ही 100 रुपये के स्टांप पर रजिस्ट्री हो जाएगी। अगर बिल्डर के पास लीगल डॉक्यूमेंट होंगे तो वो किसी भी प्रकार की गड़बड़ी नहीं कर सकेगा। इसके अलावा रजिस्ट्री विभाग को स्टांप ड्यूटी भी समय से मिल जाएगी।

इस मौके पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार, नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ लोकेश एम, यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ अरुणवीर सिंह, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीइओ सौम्य श्रीवास्तव, एसीईओ आशुतोष द्विवेदी, एसीईओ सुनील कुमार सिंह, एसीईओ प्रेरणा सिंह और एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी गण शामिल रहें।

नीमा ने किया धन्वंतरि पूजन समारोह

नोएडा (चेतना मंच)। नीमा (नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन) गौतमबुद्धनगर की धन्वंतरि

पूजन समारोह नोएडा के होटल फार्च्यून सेक्टर-27 में सम्पन्न हुई ।

इस कार्यक्रम में गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉ महेश शर्मा, नोएडा महानगर के जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता, डॉ उमा शर्मा, नोएडा माना जिला महामंत्री गणेश जाटव, उमेश त्यागी, भाजपा शहरी विकास मोर्चा के अध्यक्ष डॉ प्रसनजीत मैत्रा व नीमा के पदाधिकारियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में नोएडा के आयुर्वेद एवं यूनानी डॉक्टर इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम में गौतमबुद्धनगर गाज़ियाबाद एवं हापुड़ के क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ धर्मेंद्र कैम, डॉ अशोक राणा भी उपस्थित रहे। नीमा नोएडा के पैटर्न डॉ भानु प्रताप, डॉ अशोक सिंह, डॉ खालिद, अध्यक्ष डॉ मुकेश शर्मा, महासचिव डॉ अनूप गुप्ता, डॉ दीपक त्यागी, डॉ स्नेहलता, डॉ भोजराज ,डॉ रमेश चावड़ा, डॉ वसुधा जोशी, डॉ नीलम गुप्ता, डॉ रश्मि, डॉ श्वेता, डॉ वंदना, डॉ प्रशांत, डॉ अंशु शर्मा डॉ नवीन, डॉ निधि भी उपस्थित रहे।

सांसद ने एनएसटीआई के प्रयासों की प्रशंसा की

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-1 स्थित राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एनएसटीआई) में तीसरा दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। इस दौरान मुख्य अतिथि सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. महेश शर्मा ने दीक्षांत समारोह के दौरान महिला प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

एनएसटीआई के तीसरे दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता संस्थान की प्रिंसिपल शशि माथुर ने की।

समारोह के दौरान सांसद डा. महेश शर्मा ने व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में एनएसटीआई के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने महिला प्रशिक्षुओं की लगन और दृढ़ता की प्रशंसा की तथा उन्हें अपने कौशल का उपयोग व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सांसद ने महिलाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए सक्षम वातावरण बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

तथास्तु फाउंडेशन ने सुर-संध्या का किया आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दीपावली की पूर्व संध्या पर सुर और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में सक्रिय रूप से काम कर रही है।

ज्ञान संगीत अकादमी और तथास्तु फाउंडेशन ने एक विशेष सांगीतिक कार्यक्रम का आयोजन रॉयल स्पून पार्टी लॉन, जुनपत ग्रेटर नोएडा में किया। जिसमें सुरों के दीपक जलाकर दिवाली का उत्सव मनाया गया। यह कार्यक्रम संगीत की मृदुल ध्वनियों से भरा हुआ था, जहां सुर ज्ञान संगीत अकादमी के संचालक सुनील प्रताप सिंह और उनके शिष्यों ने अपने अद्भुत गायन और वादन से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का आयोजन तथास्तु फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित किया गया, जो कि मानसिक स्वास्थ्य फाउंडेशन के संस्थापक डॉ सतिंदर माकन ने अपने वक्तव्य में कहा कि संगीत आत्मा का भोजन है और इस दिवाली हम अपने दिलों में शांति और प्रसन्नता का दीप जलाने के लिए संगीत का सहारा ले रहे हैं।

कार्यक्रम में बुजुर्ग कलाकारों ने श्रोताओं को यह संदेश दिया कि संगीत सीखने की कोई उम्र नहीं होती, जबकि छोटे बच्चों ने अपनी मासूमियत और उत्साह से कार्यक्रम को जीवंत कर दिया। इस प्रकार, सुर ज्ञान संगीत अकादमी का यह दिवाली आयोजन हर उम्र के संगीत प्रेमियों के लिए एक विशेष अनुभव बन गया।

सेक्टर-34 आरडब्ल्यूए ने टाइल्स हटाने का किया विरोध

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-34 में नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्कल 5 की टीम ने फुटपाथ पर लगी टाइल्स को हटाने का कार्य शुरू किया। इस कार्य का जैसे ही आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों को चला, वे तुरंत मौके पर पहुंचे और टाइल्स हटाने के कार्य को रुकवाया। वरिष्ठ प्रबंधक पारस नाथ सोनकर ने बताया कि एनजीटी के आदेश अनुसार सेक्टर 34 व नोएडा के विभिन्न सेक्टरों से टाइल्स हटाई जा रही हैं।

सेक्टर-34 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष के के जैन ने कहा कि फुटपाथ की खराब स्थिति थी। मिट्टी उड़ने के कारण प्रदूषण की समस्या बनी रहती थी। सेक्टर के वरिष्ठ निवाशी तथा अस्थमा के मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ता था।

वहां पर बड़ी संख्या में उपस्थित निवासियों और पदाधिकारियों के कड़े विरोध व दोबारा से टाइल्स लगाने कि मांग के बाद टाइल्स हटाने का कार्य रोक दिया गया। वरिष्ठ प्रबंधक पारस नाथ

सोनकर ने आश्वासन दिया कि उखाड़ी गई टाइल्स को जल्द ही वापस लगा दिया जाएगा, इसके बाद ही सभी लोग धरने से हट गए। इस मौके पर फेडरेशन के अध्यक्ष के के जैन, महासचिव धर्मेंद्र शर्मा, देविंदर वत्स, अनिल शर्मा, एम सी भारद्वाज, कर्नल (रि) डी महापात्रा, कर्नल (रि) अतुल सरीन, श्रीमती सुरिंदर महाजन, कुलदीप मुंशी, प्रदीप सिंह, के सी रावत, संजीव कुमार, श्रीमती उपाध्याय, आई एस राणा, आर पी वर्मा, आर पी प्रजापति, आर पी सिंह और बड़ी संख्या में सेक्टर 34 के अन्य निवासी मौजूद थे।

सेवा भारती नोएडा महानगर में मनाई भगिनी निवेदिता जन्म जयंती

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-12 सरस्वती शिशु मंदिर

विद्यालय परिसर में सेवा भारती नोएडा महानगर द्वारा भगिनी निवेदिता जन्म जयंती समारोह का आयोजन किया गया जिसमें सेवा भारती की प्रांत सह किशोरी विकास प्रमुख सुरभि सिंह, प्रांत सामाजिक आयाम प्रमुख अनिता सिंह, सेवा भारती नोएडा महानगर अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश गुप्ता, सेवा भारती महानगर नोएडा के मंत्री अमृतपाल सिंगला, सरस्वती शिशु मंदिर प्रधानाचार्य प्रकाश वीर जी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से सेवा प्रमुख सुन्दर जी एवं अतिथियों के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर किशोरियों ने बहुत ही सुंदर नाटिका के द्वारा भगिनी निवेदिता के जीवन से परिचय कराया।

सेवा भारती की प्रांत सह किशोरी विकास प्रमुख सुरभि सिंह ने बताया कि 28 अक्टूबर 1867 को जन्मीं निवेदिता का वास्तविक नाम 'मार्गरेट एलिजाबेथ नोबल' था। एक अंग्रेजी-आइरिश शिष्या- मार्गरेट ने 30 साल की उम्र में भारत को ही अपना घर बना लिया, मात्र 10 साल की उम्र में अपने पिता को खोने के बाद उनका जीवन गरीबी में बीता। उनकी शिक्षा इंग्लैंड के एक चैरिटेबल बोर्डिंग स्कूल में हुई। सिर्फ 17 साल की उम्र में अपनी पढाई पूरी करने के बाद उन्होंने शिक्षक की नौकरी कर ली। 25 साल की उम्र में उन्होंने अपना भी एक स्कूल खोला।

स्वामी विवेकानंद ने उनको 25 मार्च 1898 को दीक्षा देकर भगवान बुद्ध के करुणा के पथ पर चलने की प्रेरणा दी। दीक्षा के समय स्वामी विवेकानंद ने उन्हें नया नाम 'निवेदिता' दिया, जिसका अर्थ है 'समर्पित' और बाद में वह पूरे देश में इसी नाम से विख्यात हुईं।

सेवा भारती नोएडा महानगर के मंत्री अमृत पाल सिंगला ने बताया कि निवेदिता दीक्षा प्राप्त करने के बाद कोलकाता के बागबाज़ार में बस गयीं थी। यहाँ पर उन्होंने लड़कियों के लिए एक स्कूल शुरू किया। निवेदिता स्कूल का उद्घाटन रामकृष्ण परमहंस की पत्नी मां शारदा ने किया था।